RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381
डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

अलविदा 2024

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार ●31 दिसंबर , 2024 वर्षः-12 अंक -243 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

म.प्र.शिवपुरी में तिहरा हत्याकांड, बदमाशों ने दंपत्ति समेत पड़ोसी महिला का किया मर्डर

● तीन लोगों की गला दबाकर हत्या ● दंपत्ति समेत पड़ोसी महिला की मौत

भोपाल/ शिवपुरी (एजेंसी)। म.प्र. शिवपुरी में अज्ञात बदमाशों ने रविवार-सोमवार की रात तीन लोगों की गला दबाकर हत्या कर दी। उन्होंने जेवर और 10 हजार रुपये लूट लिए। शिवपुरी जिले के ग्राम राऊटौरा में हुई इस वारदात में एक दंपत्ति और एक अन्य महिला की हत्या की गई है। हत्या लूट के इरादे से की गई प्रतीत हो रही है। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

नाक-कान में पहने जेवर भी लूट ले गए

जानकारी के अनुसार ग्राम राऊटौरा निवासी सीताराम पुत्र रामलाल लोधी उम्र 65 साल व उसकी पत्नी मुन्नी उम्र 60 साल अपनी झोंपड़ी में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने उनकी गला दबाकर हत्या कर महिला के नाक, कान में पहने हुए जेबर सहित घर में रखे करीब दस हजार रुपये लूट लिए।

पड़ोस की महिला की भी हत्या

इस घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश पड़ोस में रहने वाली एक अन्य महिला के घर पहुंचे और उसके भी जेबर लूट कर उसकी हत्या कर दी। घटना की जानकारी सुबह उस समय लगी जब मृतकों के बच्चे वहां पहुंचे। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। प्रथम दृष्ट्या मामला लूट के लिए हत्या करने का प्रतीत हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम मोहन यादव ने चार संभागों की समीक्षा बैठक की

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव 30 दिसंबर को चार संभागों की समीक्षा बैठक की। वे रीवा, शहडोल, ग्वालियर और चंबल संभाग की विकास कार्यों और पिछले टारगेट को लेकर समीक्षा की। समीक्षा बैठक में नए साल 2025 की रणनीति भी बनाई जाएगी।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव नए साल से पहले काम में जुट गए हैं।

सोमवार, 30 दिसंबर को वे चार संभागों रीवा, शहडोल, ग्वालियर और चंबल की समीक्षा बैठक की।ये बैठकें विकास कार्यों और 2025 की रणनीति पर केंद्रित थी। पहली बैठक रीवा और शहडोल संभाग के लिए हुई, इसके बाद ग्वालियर और चंबल संभाग की बैठक हुई। सीएम यादव लगातार अधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। विकास कार्यों की प्रोग्रेस पर रहेगी नजर- इन बैठकों में विकास कार्यों की प्रगति देखी जाएगी। साथ ही, पिछले दिए गए लक्ष्यों पर भी चर्चा होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव 2025 के लिए नई रणनीति भी बनाएंगे। वे लगातार अधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। ये बैठकें प्रदेश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने 4 बंकर नष्ट किए

● 5 दिनों से सेना-पुलिस का जॉइंट सर्च ऑपरेशन

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा की बढ़ती घटनाओं के बाद सुरक्षाबलों ने इंफाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों में बने बंकरों को नष्ट कर दिया है। मणिपुर पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

ये बंकर थम्नापोकपी और सनसाबी गांवों की सीमा से लगे इलाकों में बनाए गए थे। जहां से

पहाड़ियों पर रहने वाले बंदूकधारी निचले इलाकों के गांवों पर हमला कर रहे थे।

इसके अलावा 5 दिनों से सेना-पुलिस का जॉइंट सर्च ऑपरेशन भी चल रहा था। सेना ने 23 दिसंबर से 27 दिसंबर तक इंफाल ईस्ट, टेंग्नौपाल, यांगियांगपोकपी और चुराचांदपुर से 9 हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया।

सीएम ने कहा था-

कुकी-मैतेई आपसी समझ बनाएं- मणिपुर के सीएम बिरेन सिंह ने 25 दिसंबर को कहा था- मणिपुर को तत्काल शांति की जरूरत है। दोनों समुदायों (कुकी-मैतेई) आपसी समझ बनाएं। बीजेपी ही मणिपुर को बचा सकती है, क्योंकि वो 'एक साथ रहने' के विचार में विश्वास करती है।

किसानों का पंजाब बंद खत्म

● हाईवेज और रेलवे ट्रैक से हटे, लुधियाना में किसानों-दुकानदारों में बहस ● पंधेर बोले- किसी की जबरदस्ती दुकानें बंद नहीं कराई

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा-पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे आंदोलन के समर्थन में सोमवार को किसानों ने पंजाब बंद रखा। सुबह 7 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक किसान 140 जगहों पर हाईवे और रेलवे ट्रैक पर बैठे। इस दौरान अमृतसर-जालंधर-पानीपत-दिल्ली और अमृतसर-जम्मू पर ट्रैफिक पूरी तरह से बंद रहा। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ समेत सभी यूनिवर्सिटी ने आज होने वाले एग्जाम स्थगित कर दिए थे।

किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा, हमें किसी की जबरदस्ती दुकानें नहीं बंद करवानी पड़ी। व्यापार मंडल, आढ़ती एसोसिएशन, जत्थेबंदियों और यूनियनों का समर्थन मिला। करीब 270 जगह प्रदर्शन हुए।

किसानों के बंद की वजह से रेलवे ने

वंदे भारत समेत 163 ट्रेनों को रद्द कर दिया। पुणे से जम्मू तवी जा रही झेलम एक्सप्रेस को जालंधर कैंट स्टेशन पर रोका गया। जालंधर, अमृतसर और लुधियाना के रेलवे स्टेशनों पर उत्तर प्रदेश, पुणे, बिहार और कोलकाता समेत दूसरे राज्यों के यात्री परेशान रहे। ट्रेन कैंसिल होने पर कई यात्रियों को होटल में रुकना पड़ा।पंजाब से 8 राज्यों के लिए 576 रूट पर चलने वाली बसें भी बंद रहीं। हरियाणा और हिमाचल समेत दूसरे राज्यों की बसें भी पंजाब में नहीं आईं।

बंद के दौरान पुलिस, किसानों और दुकानदारों में बहस- जालंधर में पैदल यात्रियों को रोकने पर किसानों और पुलिस में नोकझोंक हुई। वहीं लुधियाना में बस्ती जोधेवाल चौक और खन्ना में जाम लगाने को लेकर किसानों और लोगों के बीच बहस हुई। लुधियाना में लाडोवाल टोल प्लाजा पर एक व्यक्ति ने जाम लगा रहे किसान पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। उसने कहा कि गलती से ऐसा हुआ। जालंधर में बारात किसानों के जाम में फंस गई। इनमें दूल्हे की कार भी थी। हालांकि दूल्हे ने बाहर निकालकर किसान यूनियन का झंडा पकड़ा और किसानों की जिंदाबाद के नारे लगाए। फिर वह बारात लेकर आगे चला गया। जालंधर के धन्नोवाली फाटक पर किसानों का धरना लगा है। यहां सुबह दूल्हे की गाड़ी पहुंची। दूल्हे ने गाड़ी से बाहर निकलकर किसानों का झंडा थामा और नारे लगाए।

महाकाल मंदिर पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सेना अध्यक्ष द्विवेदी

उज्जैन (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी सोमवार को उज्जैन पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले महाकालेश्वर मंदिर पहुंच कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। रक्षा मंत्री और सेना अध्यक्ष ने गर्भगृह में करीब 20 मिनट तक पूजा की। पूजन मुख्य पुजारी घनश्याम शर्मा द्वारा सम्पन्न करवाया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी मध्य प्रदेश के दो दिन के दौरे पर है। अपने प्रवास के दूसरे दिन दोनों भगवान महाकाल के दर्शनों के लिए उज्जैन पहुंचे। राजनाथ सिंह ने गर्भगृह में पूजन के बाद नंदी हाल में बैठकर भगवान महाकाल का ध्यान लगाया।

'मिनी पाकिस्तान है केरल, इसलिए राहुल-प्रियंका जीते...'

● नितेश राणे के बयान पर मचा सियासी बवाल; अब दी सफाई

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे के 'मिनी-पाकिस्तान' वाले बयान पर सियासी बवाल मच गया है। राणे की टिप्पणी के बाद पूरा विपक्ष महाराष्ट्र सरकार पर बरस पड़ा। विपक्ष के हमले के बाद अब राणे ने सफाई दी है। महाराष्ट्र के मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे ने एक भाषण में केरल

की तुलना 'मिनी पाकिस्तान' से करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी इसी कारण संसद बने हैं। पुणे के पुरंदर तालुका में एक रैली को संबोधित करते हुए राणे ने कहा, केरल छोटा पाकिस्तान है, इसलिए राहुल गांधी और उनकी बहन वहां से चुने जाते हैं। सभी आतंकवादी उन्हें वोट देते हैं। यह सच है, आप पूछ सकते हैं। वे आतंकवादियों को साथ लेकर सांसद बने हैं। बता दें कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे के बेटे राणे शिव प्रताप दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे।

राणे ने दी सफाई, मैंने केरल की तुलना पाक से की - बयान पर बवाल मचने के बाद राणे ने कहा कि केरल भारत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वह केवल केरल और पाकिस्तान की स्थिति की तुलना कर रहे थे।

हिमाचल में ढाई फीट बर्फ, 340 सड़कें बंद

उत्तराखंड में एवलांच का अलर्ट, कश्मीर में फंसे पर्यटकों के लिए मस्जिद-घर खोले

नई दिल्ली/श्रीनगर/भोपाल (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लगातार बर्फबारी हो रही है। हिमाचल में 340 सड़कों पर आवाजाही बंद हो गई है। छितकुल में ढाई फीट से भी ज्यादा बर्फ पड़ी है, जिससे कई टूरिस्ट फंस गए हैं।

कश्मीर में बर्फबारी के चलते श्रीनगर-लेह रोड बंद है। कश्मीर यूनिवर्सिटी के एग्जाम रद्द कर दिए गए हैं। करीब 1800 गाड़ियां फंसी हुई हैं। गांदरबल, सोनमर्ग, पहलगाम, गुंड, बारामूला समेत कई जगहों पर तापमान माइनस 10 से 22 डिग्री तक पहुंच गया है। यहां पर एक फीट तक बर्फबारी भी हुई, जिससे करीब 2 हजार पर्यटक अलग-अलग जगहों पर फंस गए। स्थानीय कश्मीरियों ने घर और मस्जिद के दरवाजे खोले। इन्हें रुकने की जगह दी, कंबल रजाई के साथ खाने-पीने का गर्म सामान भी दिया।

हिमाचल के 5 जिलों में 10 सेमी से ज्यादा बर्फबारी

हिमाचल के कल्पा में 14.9, कुफरी में 14.5, पूह में 12, मुरंग में 12, खदराला में 10, सांगला में 8.5, केलंग में 8, कुकमसेरी में 1.6 सेमी ताजा बर्फबारी हुई है। इससे न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 5 डिग्री सेल्सियस तक कम रिकॉर्ड किया गया है।

आज उत्तर भारत के राज्यों में शीतलहर चलेगी

पहाड़ों की बर्फीली हवा से मध्य भारत ठिठुरेगा। यूपी, बिहार, छत्तीसगढ़, मप्र, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली में तापमान गिरेगा। उत्तर भारत में शीतलहर और घने कोहरे के आसार हैं। इन राज्यों में हवा की रफ्तार भी 40 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रहेगी।

मुख्य सचिव से मिले बीपीएससी कैंडिडेट्स

पटना (एजेंसी)। बिहार लोकसेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कराने की मांग को लेकर 13 दिनों से कैंडिडेट्स का धरना जारी है। सोमवार को कैंडिडेट्स के एक

● बोले- आंदोलन जारी रहेगा, आरजेडी-लेफ्ट ने समर्थन में ट्रेनें रोकीं

● राज्यपाल से मिले पप्पू यादव, दोबारा एग्जाम की मांग

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा से मुलाकात की है।

मुख्य सचिव से मिलने के बाद अभ्यर्थी ने कहा कि - हमने अपनी मांग सीएस के सामने रखी हैं। उन्होंने कहा कि जो उचित कार्रवाई होगी की जाएगी। वहीं आंदोलन को लेकर कैंडिडेट्स ने कहा कि जबतक री एग्जाम की घोषणा नहीं होती है, हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा।

इधर, अभ्यर्थियों के समर्थन में लेफ्ट और आरजेडी ने आरा और दरभंगा में ट्रेनों को

रोका है। छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने इंजन पर खड़े होकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और री एग्जाम की मांग की। रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन के दौरान दरभंगा में बिहार संपर्क क्रांति ट्रेन 1 घंटे रुकी रही।

मध्य प्रदेश एग्जाम बोर्ड

नकल रोकने के लिए बोर्ड की खास तैयारी

जिन शिक्षकों के बच्चे परीक्षार्थी, उनको नहीं बनाया जाएगा केंद्र अध्यक्ष

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में आगामी महीनों में बोर्ड एग्जाम होना है। बोर्ड एग्जाम में नकल की और पेपर लीक के मामले ना हो इसके लिए खास तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस बार बोर्ड एग्जाम में किसी तरह की गड़बड़ी ना हो इसके लिए शिक्षा विभाग एक एक कदम संभाल कर रख रहा है। साथ ही कई नियमों में बदलाव किए हैं। इसी कड़ी में केंद्राध्यक्ष के चुनाव में भी खास तैयारी की गई है।

फरवरी महीने में हैं परीक्षाएँ- दरअसल, फरवरी महीने में 10-12वीं की बोर्ड एग्जाम आयोजित होगी। इसके लिए केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष बनाने की प्रक्रिया चल रही है। हालांकि इस बार केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष को चुनने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं। इनके आधार पर ही चुनाव किया जाएगा।

स्टेट लेवल लिस्ट से होगा दोनों का चुनाव- एमपी बोर्ड एग्जाम के लिए इस बार केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष की नियुक्ति अब विकासखंड स्तर पर नहीं होगी। इसके

लिए योग्य लोगों की जिला स्तरीय लिस्ट तैयार की जाएगी। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में बनाई गई एक कमेटी यदि इसको अप्रूव कर देती है तो जिला शिक्षा अधिकारी इस सूची को जिला सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) भेजेंगे। वहां पहले से मौजूद केंद्रों की सूची के साथ इस सूची को भी विशेष सॉफ्टवेयर में अपलोड किया जाएगा।

जिनके बच्चे दे रहे परीक्षा उनकी मनाही- इस बार बोर्ड ने केंद्राध्यक्षों के नियमों में जो बदलाव किया है। उसके अनुसार जिन शिक्षकों के बच्चे बोर्ड एग्जाम दे रहे हैं। उनको केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा। इसके साथ ही चयनित किए गए शिक्षक गंभीर रूप से बीमार और शारीरिक रूप से अक्षम भी नहीं होने चाहिए।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, मंगलवार 31 दिसंबर, 2024

पड़ोसी को उतारा मौत के घाट

ग्वालियर। मानसिक रूप से विक्षिप्त एक युवक ने अपने पड़ोसी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। आरोपी युवक 15 साल से मानसिक रूप से बीमार है जिसे परिवार वाले गांव से 3 किलोमीटर दूर खेतों में बांधकर रखते थे। लेकिन वहां किसी तरह जंजीर से खुल गया और कुल्हाड़ी लेकर अपने घर पहुंचा। जहां घर के बाहर बैठे एक बुजुर्ग पर उसने हमला कर दिया।वहीं पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। दरअसल ग्वालियर के देहात करहिया थाना क्षेत्र के ग्राम करहिया के रावत मोहल्ला में रहने वाले 65 साल के रतन रावत अपने पड़ोसी सिरनाम रावत के घर के बाहर बैठकर बातचीत कर रहे थे। तभी सिरनाम रावत का 35 साल का बेटा राजेंद्र रावत अपने हाथों में कुल्हाड़ी लेकर आया और घर के बाहर बैठे रतन रावत के सिर में कुल्हाड़ी से दो बार हमला कर उसे घायल कर दिया। जिसे देख रतन रावत का बेटा करण अपने पिता को तत्काल इलाज के लिए जयारोग्य अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जहां आरोपी युवक राजेंद्र को पुलिस ने तत्काल गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि आरोपी राजेंद्र 15 सालों से मानसिक रूप से विक्षिप्त है।जिसे परिवार के लोग अक्सर गांव से 3 किलोमीटर दूर अपने खेतों में जंजीर से बांधकर रखते थे। लेकिन घटना वाले दिन किसी तरह जंजीर टूटने पर वह खेतों से कुल्हाड़ी लेकर अपने घर पहुंचा था और घर के बाहर बैठे रतन पर उसने कुल्हाड़ी मार दी थी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पटवारी को 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा

टीकमगढ़। भ्रष्टाचार का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन सरकारी अधिकारी कर्मचारी रिश्वत लेते पकड़े जा रहे है। ताजा मामला टीकमगढ़ जिले से सामने आया है। जहां सागर लोकायुक्त पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पटवारी को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि पटवारी ने जमीन संबंधी काम के लिए घूस मांगी थी।यह पूरा मामला मोहनगढ़ तहसील के ग्राम पंचायत मझगवां का है। जानकारी के मुताबिक, इसी गांव के रहने वाले किसान से रिश्वत की डिमांड की गई थी। हल्का पटवारी संजू रैकवार ने जमीन फौती नामांतरण के लिए घूस मांगी थी। इसकी शिकायत किसान ने सागर लोकायुक्त पुलिस से की।शिकायत सही पाए जाने पर सागर लोकायुक्त पुलिस ने ग्राम पंचायत मझगवां में दबिश दी। हल्का पटवारी संजू रैकवार को 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोच लिया। फिलहाल इस मामले में कार्रवाई जारी है। लोकायुक्त पुलिस भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

करंट की चपेट में आने से 3 बच्चे बुरी तरह झुलसे

धार। जिले के टांडा से बड़ी खबर सामने आई है, यहां 132 केवी लाइन की चपेट में आने से तीन बच्चे बुरी तरह झुलस गए हैं। घटना टांडा के समीप ग्राम कालीदेवी की है। यहां 132 केवी लाइन में फाल्ट होने से नीचे खेल रहे तीन बच्चे हादसे का शिकार हो गए। परिवार के सदस्यों ने बताया कि अचानक जोरदार आवाज सुनकर वे दौड़े। जब वे मौके पर पहुंचे तो देखा कि बच्चे इधर-उधर गिरे हुए थे। जिसके बाद तत्काल सभी बच्चों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टांडा में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रेफर कर दिया गया। डॉक्टर नितिन श्रीवास्तव ने बताया कि यह घटना रविवार शाम की है। परिजन बुरी तरह झुलसे बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंचे। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया। घटना में झुलसे बच्चों के नाम सुजीत (12), नितिन (10), अमृता (6) वर्ष है। तीनों बच्चे एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक 132 केवी की यह लाइन जुलवानिया से आ रही है, जो राजगढ़ जा रही है। इसी लाइन में फाल्ट होने से यह हादसा हुआ है। घटना में झुलसे बच्चों का राजगढ़ के कंचन अस्पताल में इलाज चल रहा है।

छात्रावास में छात्रों से कराया जा रहा ये काम

सिवनी। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों की बेहतर शिक्षा को संवारने के लिए सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। वहीं शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाले विद्यालय में शिक्षक ही छात्रों का भविष्य चौपट करते दिखाई दे रहे हैं। पढ़ाई की जगह बच्चों से विभिन्न प्रकार के काम करवाए जा रहे है। ताजा मामला सिवनी से सामने आया है। जिसका वीडियो भी सामने आया है। सिवनी जिले के छपारा के सीनियर आदिवासी छात्रावास में बच्चों से साफ-सफाई का कार्य कराया जा रहा है। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि, कैसे 10वीं क्लास के छात्र से झाड़ू लगवाई जा रही है। वहीं जब वहां मौजूद रसोइए से पूछा गया तो वह यह कहते नजर आए कि आज कमर में दर्द है। इसलिए छात्र से झाड़ू लगवा रहे हैं।वहीं छात्रावास में जब हमारी टीम पहुंची तो ना तो वहां पर चौकीदार मौजूद था न ही हॉस्टल वार्डन। जब हॉस्टल वार्डन से संपर्क करने की कोशिश की तो उन्होंने फोन उठाना भी जरूरी नहीं समझा। इस मामले को लेकर जनपद सीईओ का कहना है कि इसकी जांच की जाएगी यदि जांच में दोषी पाते हैं, तो कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग से रेप : घुमाने के बहाने निर्माणाधीन मकान में ले जाकर किया दुष्कर्म

नर्मदापुरम। जिले में नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी ने घुमाने के बहाने किशोरी को ले गया और निर्माणाधीन मकान में रेप की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी अजय झरने के खिलाफ नाबालिग से रेप की धारा 64 ब्हस्, 5/6 पॉक्सो एक्ट का केस दर्ज कर केंद्रीय जेल भेज दिया है।दरअसल मामला नर्मदापुरम देहात थाने के ग्राम पलासडोह का है जहां 15 साल की नाबालिग से रेप का मामला दर्ज किया है। नाबालिग लड़की दूसरे गांव की है। देहात पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक युवक का नाम अजय झरने है। वह दो साल से नाबालिग को जानता है। आरोपी ने उसे झांसे में लेकर पहले प्रेमजाल में फंसाया फिर 28 दिसंबर की शाम करीब 4 बजे पीड़िता के घर आया और उसे घुमाने ले गया। घूमने के बाद पीड़िता ने आरोपी से कहा कि मुझे वापस छोड़ दो तो आरोपी अजय ने उसे मालाखेड़ी के एक निर्माणधीन मकान में ले गया और वहां रेप के बाद घर छोड़ कर चला गया। पीड़िता ने अपने पिता को सारी घटना बताई जिसके बाद पिता के साथ थाने पहुंचकर युवक अजय झरने के खिलाफ मामला दर्ज कराया। जानकारी प्रवीण चौहान देहात थाना प्रभारी ने दी।

डारियो से 'विष्णु'.. मार्टिना से बनी 'मां मंगलानंद'

उज्जैन। बीते कुछ वक्त से भारतीय संस्कृति की तरफ विदेशियों का झुकाव देखा जा रहा है। ये कहना गलत नहीं होगा की भारतीय संस्कृति के दीवाने सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में हैं। इसका एक उदाहरण हाल ही में मध्य प्रदेश के उज्जैन से देखने को मिला। जहां इटली, अमेरिका और पेरू से आए तीन कपल्स ने भारतीय परंपराओं के अनुसार पूरे रीतिरिवाज से शादी की।इटली, अमेरिका और पेरू से योग सीखने के लिए तीन कपल उज्जैन के परमानंद योग आश्रम आए। यहां रहने के दौरान उन्होंने भारत की संस्कृति को जाना और समझा। जिससे वे इतने प्रभावित हो गए कि तीनों ने भारतीय रीति रिवाज से शादी करने का फैसला किया। क्योंकि भारतीय संस्कृति के साथ शादी हो रही थी तो तीनों ने शादी से पहले अपना नाम भारतीय शैली में बदलकर रखे।डारियो को 'विष्णु आनंद', मार्टिना को 'मां मंगलानंद', इअन को 'आचार्य रामदास आनंद', गेब्रियला को 'मां समानंद', मॉरजियो को 'प्रकाशानंद' और नेल्मास को 'मां नित्यानंद' नाम दिया गया है। शादी की रस्में उज्जैन के निनोरा स्थित परमानंद योग आश्रम में हुईं। शनिवार सुबह हल्दी और मेहंदी की रस्में निभाई गईं, जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बैंड-बाजे और ढोल की धुनों ने माहौल को जीवंत बना दिया। शाम को महिला संगीत का आयोजन भी हुआ।संगीत में सभी ने जमकर डांस किया। शादी के बाद ये कपल्स अपने घर वापस लौट जाएंगे। परमानंद योग केंद्र के प्रमुख डॉ. ओमानंद ने बताया कि इन कपल्स ने भारतीय विवाह परंपराओं से प्रभावित होकर शादी को अनुबंध के बजाय जीवन भर का अटूट बंधन माना।

पुलिस कस्टडी में दलित युवक की मौत पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल

भोपाल। देवास में पुलिस कस्टडी में दलित युवक की मौत के मामले में सियासत गरमा गई है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर सरकार पर हमलावर है। इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इस मामले पर अपना बयान दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट करते हुए कहा कि सरकार की शह के बिना ये संभव नहीं है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि एक तरफ़ मध्यप्रदेश के देवास में दलित युवक की पुलिस कस्टडी में हत्या की गई। दूसरी तरफ़ ओडिशा के बालासोर में आदिवासी महिलाओं को पेड़ से बांधकर पीटा गया है। ये दोनो घटनाएं दुखद, शर्मनाक और अत्यंत निंदनीय हैं। भाजपा की मनुवादी सोच के कारण उनके शासन वाले राज्यों में एक के बाद एक इस तरह की घटनाएं हो रही हैं ङ्क सरकार की शह के बिना ये

संभव नहीं है। देश के बहुजनों के साथ ऐसी बर्बरता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हम उनके साथ हैं, उनके संवैधानिक अधिकारों के लिए और उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरी ताकत के साथ लड़ेंगे।

यह था पूरा मामला

देवास जिले के सतवास थाने में मालागांव के रहने वाले मुकेश (35) पिता गबूलाल लोंगरे के खिलाफ एक महिला ने 26 दिसंबर को मारपीट और गाली-गलौज की शिकायत दर्ज कराई थी। इसी मामले में पुलिस ने शनिवार दोपहर में मुकेश को हिरासत में लिया था। शाम को ही उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने एक पुलिसकर्मी पर रिश्वत मांगने और हत्या करने का आरोप लगाया था। वहीं मामले के तूल पकड़ने के बाद सतवास थाना प्रभारी आशीष राजपूत को सस्पेंड कर दिया गया था।

रविवार को कांग्रेस ने किया था प्रदर्शन- पुलिस कस्टडी में युवक की मौत के मामले में जीतू पटवारी के नेतृत्व में कांग्रेस ने रविवार को प्रदर्शन भी किया था। इस दौरान पटवारी ने कहा, मध्य प्रदेश में जंगल राज कायम है। थाने के अंदर एक दलित व्यक्ति की हत्या कर दी गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव को इस घटना की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

नए साल का जश्न मनाने से पहले जान लें पुलिस की एडवाइजरी

मप्र। अंग्रेजी नव वर्ष की शुरुआत दो दिन बाद होने वाली है, इसे लेकर पुलिस विभाग द्वारा भी व्यापक पैमाने पर इंतजाम किए गए हैं, मध्य प्रदेश के सभी बड़े शहरों में नए साल के जश्न से पहले पुलिस की व्यवस्था टाइट होगी.आज से ही पुलिस का चेकिंग अभियान तेज हो जाएगा. इसके अलावा पुलिस ने एडवाइजरी भी जारी की है ताकि लोग नियमों का पूरी तरह पालन कर सकें, इस बार पुलिस ने नए साल के जश्न में डूबे लोगों के लिए एडवाइजरी भी जारी की है, पुलिस विभाग द्वारा सोमवार शाम से खास इंतजाम किए जाएंगे. पुलिस का मुख्य उद्देश्य के बीच कानून हाथ में लेने वालों को सबक सिखाना है. इसके लिए पुलिस अधिकारियों ने एडवाइजरी भी जारी कर दी है।

इंदौर में आईपीएस अधिकारी रहेंगे सड़कों पर

इंदौर के पुलिस उपायुक्त आईपीएस विनोद कुमार मीणा ने बताया कि पुलिस कमिश्नर की ओर से सख्त निर्देश दिए गए हैं कि नए साल के जश्न की आड़ में हुड़दंग मचाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए. पुलिस विभाग द्वारा सोमवार शाम से ही चेकिंग अभियान तेज कर दिया जाएगा. इसके अलावा सभी थाना क्षेत्र में आज और कल रात्रि कालीन गश्त में भी काफी सख्ती की जाएगी. पुलिस के एडवाइजरी का पालन करें।

क्या है पुलिस की एडवाइजरी ?

उज्जैन एसपी प्रदीप कुमार शर्मा के मुताबिक नव वर्ष पर जश्न में डूबे युवा कई बार नशे की हालत में वाहन चलाते हैं. ऐसे लोगों को नया साल जेल के अंदर मानना पड़ सकता है. पुलिस अधीक्षक के मुताबिक नए वर्ष पर वाहन लेकर घूमने वालों को गाड़ी के समय दस्तावेज अपने पास रखना जरूरी है. इसके अलावा दो पहिया वाहन पर तीन सवारी बैठने वालों की गाड़ियां भी जब्त की जाएगी. इतना ही नहीं अन्य वाहनों को भी ओवरलोड सवारी के साथ में चलाएं।

स्ट्रीट वेंडर्स के लिए जरूरी खबर: ठेला, सब्जी, समोसा, चाट दुकान के लिए लाइसेंस अनिवार्य

जबलपुर। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग ने स्ट्रीट वेंडर्स के लिए लाइसेंस अनिवार्य कर दिया है। अब सब्जी, ठेला, समोसा, चाट की दुकानों और अन्य स्ट्रीट वेंडर्स को अपने व्यापार के लिए लाइसेंस बनवाना होगा। यह कदम शहर में मिलावटखोरी पर रोक लगाने और स्वास्थ्य मानकों को बेहतर बनाने के लिए उठाया गया है।स्वास्थ्य विभाग की टीम शिविर लगाकर वेंडर्स के लिए निःशुल्क लाइसेंस बनवा रही है। लाइसेंस के माध्यम से वेंडर्स को अपने व्यापार को आधिकारिक रूप से संचालित करने की अनुमति दी जाएगी। जो वेंडर्स लाइसेंस नहीं बनवाएंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे वेंडर्स के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जुर्माना लगाया जाएगा।, जबलपुर में करीब 12 हजार स्ट्रीट वेंडर्स बिना लाइसेंस के व्यापार कर रहे हैं। इनमें से कई वेंडर्स के पास स्वच्छता और गुणवत्ता के मानकों का

अभाव पाया गया है। मिलावटखोरी और खराब गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ बेचने के बढ़ते मामलों को देखते हुए, स्वास्थ्य महकमे ने यह कदम उठाया है।शहर में शिविरों के माध्यम से वेंडर्स को निःशुल्क लाइसेंस बनवाने की सुविधा दी जा रही है। साथ ही उन्हें स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा से संबंधित दिशा-निर्देश भी दिए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह पहल वेंडर्स को नियमित करने और उपभोक्ताओं को सुरक्षित व स्वच्छ खाद्य सामग्री प्रदान करने में सहायक होगी।

राजनाथ सिंह बोले- लंबे समय से थी दर्शन की इच्छा, मेरा जीवन धन्य हो गया

उज्जैन। धर्म नगरी उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में आए दिन बड़े-बड़े सेलिब्रिटी से लेकर राजनेता अपनी हाजिरी लगाते हैं। इसी कड़ी में आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महाकाल के दर्शन किए। उन्होंने गर्भगृह में पूजन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान थल सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी भी उनके साथ मौजूद थे।

विश्व शांति के लिए बाबा महाकाल के दरबार पहुंचे र राजनाथ सिंह दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज उज्जैन प्रवास पर हैं। इस बीच विश्वशांति के लिए उन्होंने श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन -पूजन किये। पूजन मुख्य पुजारी घनश्याम शर्मा और आशीष पुजारी ने सम्पन्न करवाया। इस दौरान संजय पुजारी, दिलीप पुजारी, प्रमोद पुजारी समेत आदि उपस्थित थे। पूजन करने के बाद राजनाथ सिंह ने कहा कि लंबे समय से बाबा महाकाल का दर्शन करने की इच्छा थी। लेकिन जब तक वह चाहेंगे नहीं, कोई उनका दर्शन नहीं कर सकता है। आज उनकी कृपा हुई और उनके सामने मस्तक टेकने का अवसर मिला। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध उज्जैन प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने रक्षा मंत्री का शाल, स्मृति चिन्ह व प्रसाद देकर सम्मान किया।

गाड़ी को बचाने के चक्कर में ट्रक हुआ दुर्घटनाग्रस्त

जबलपुर। बासमती चावल से भरा एक ट्रक दुर्घटना का शिकार हो गया। ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होते ही लोगों ने ट्रक में लदा बासमती राइस लेकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि लोगों को जैसे ही पता चला ट्रक में बासमती चावल भरा हुआ है, लोग चावल लूटने पहुंच गए और देखते ही देखते लगभग पूरा ट्रक खाली हो गया। जानकारी के मुताबिक ट्रक करनाल से बासमती राइस लेकर आंध्र प्रदेश जा रहा था। तभी उसका जबलपुर के पनागर थाना अंतर्गत बंधेरी घाट के पास एक गाड़ी को बचाने के चक्कर में एक्सीडेंट हो गया और ट्रक रेलिंग तोड़ते हुए गड्ढे में जा घुसा। जिसके बाद आसपास के लोगों ने ट्रक में लदी बासमती चावल की बोरियां लूट ली। वहीं पनागर थाना पुलिस ने ड्राइवर और कंडक्टर के बयान के आधार पर मामला कायम कर जांच शुरू कर दी है।

सौरभ शर्मा की हो सकती है हत्या... जीतू पटवारी क्यों कह रहे हैं ऐसा ?

भोपाल। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की हत्या की आशंका जताई है। पटवारी का कहना है कि सौरभ शर्मा को लोकायुक्त की कार्रवाई की जानकारी पहले ही मिल गई थी। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया है कि ईडी की कार्रवाई से बचने के लिए लोकायुक्त के माध्यम से मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की गई। साथ ही, उन्होंने एक दलित युवक की हत्या के मामले में सरकार पर निशाना साधा और एक करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है।

दो दिन पहले लग गई थी कार्रवाई की भनक

उन्होंने कहा कि सौरभ शर्मा को दो दिन पहले ही लोकायुक्त की कार्रवाई की भनक लग गई थी। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि मामले में कुछ गड़बड़ है। पटवारी ने सरकार पर ईडी की कार्रवाई से बचने के लिए लोकायुक्त के जरिए मामले को दफनाने का

आरोप लगाया है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर एक सिपाही के पास इतनी संपत्ति है तो बड़े अधिकारियों के पास कितना पैसा होगा? उन्होंने कहा कि इस मामले से पता चलता है कि जब एक सिपाही के पास इतना पैसा पहुंचा तो ऊपर कितना पैसा पहुंचा होगा।

लोकायुक्त की कार्रवाई अधूरी है

पटवारी ने लोकायुक्त की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त की कार्रवाई अधूरी और सरकार की मिलीभगत से की गई प्रतीत होती है। उनका मानना है कि सौरभ शर्मा के पास जो पैसा मिला है, वह राजनेताओं और भ्रष्टाचार का पैसा है। उन्होंने मांग की है कि सौरभ शर्मा के पास मिले धन के वास्तविक मालिक का खुलासा किया जाए। वह पिछले 10 सालों से सक्रिय रहा है और इन सालों में 2 परिवहन मंत्री रहे हैं। सौरभ शर्मा का पैसा राजनेताओं और लूट का पैसा है।

सौरभ शर्मा को गिरफ्तार कर सुरक्षा देने की मांग की

जीतू पटवारी ने सौरभ शर्मा को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने और उसे सुरक्षा देने की मांग की है। उन्होंने आशंका जताई है कि सौरभ शर्मा के पास कई राज हैं और उसकी जान को खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि सौरभ को गिरफ्तार कर सुरक्षा दे सरकार। उन्होंने सागर में एक लापता व्यक्ति और व्यापम घोटाले का भी जिक्र किया, जिसमें कई लोगों की हत्या का आरोप लगाया गया था। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सौरभ शर्मा को कुछ होता है तो उसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। यदि कोई दुर्घटना होती है या उसकी मौत होती है तो उसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

दलित युवक के परिवार को एक करोड़ मुआवजा देने की मांग की

इसके अलावा, जीतू पटवारी ने दलित युवक की हत्या के मामले में भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 6 हजार रुपये की रिश्वत न देने पर युवक की हत्या कर दी गई। पटवारी ने कहा कि 6 हजार की रिश्वत देने में देरी होने पर 35 साल के युवक की हत्या कर दी गई। उन्होंने पूरे थाने को निलंबित करने और पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि 1 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए, क्योंकि पुलिस ने हत्या की है। पुलिस अनाथ हुए बच्चों की पालक बने।

विज्ञान मेले में बेस्ट नवाचार के लिए मिले अवॉर्ड

शॉकर बूट, हैकिंग से बचाने वाले सिस्टम और स्मार्ट कार डिजाइन करने वालों को पुरस्कार

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जंबूरी मैदान में चल रहे विज्ञान मेले का सोमवार को समापन हो गया। समापन कार्यक्रम में चार दिन तक मेले में प्रदर्शित किए गए इनोवेटिव मॉडल्स में से बेस्ट मॉडल को पुरस्कृत किया गया। इसमें शॉकर बूट, हैकिंग से बचाने वाला सिस्टम, होम ऑटोमेशन सिस्टम, इंडस्ट्रियल वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और स्मार्ट कार जैसे कई इनोवेशन को पुरस्कृत किया गया।

स्कूल और कॉलेजों के मॉडल्स में पहला पुरस्कार जीतने वालों को 5100 रुपए और दूसरा पुरस्कार जीतने वालों को 3100 रुपए की प्राइस मनी भी दी गई। कई विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार मिले। इसके अलावा सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और किताब- 'भारत की उज्जवल परंपरा' भी दी गई।

हैकिंग से बचाने वाले सिस्टम को पहला पुरस्कार- कॉर्पोरेट इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के छात्रों ने वाई-फाई को हैकिंग से बचाने वाला मॉडल बनाया है।

आदर्श कुमार को मिला पहला पुरस्कार- विज्ञान मेले में कॉलेजों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार कॉर्पोरेट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के कम्प्यूटर साइंस डिपार्टमेंट के आदर्श कुमार को मिला है। उन्होंने और उनकी टीम ने एक ऐसा सिस्टम बनाया है जिससे हैकर यूजर के वाई-फाई को हैक न कर सके।

वाई-फाई को हैक करके हैकर यूजर का पासवर्ड जान

लेते हैं। इसके बाद आपके नेटवर्क का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करते हैं। अगर आपके नेटवर्क का इस्तेमाल किसी आपराधिक काम के लिए हो तो इससे आपके लिए समस्या आ सकती है। साथ ही आपकी संवेदनशील जानकारियां भी हैकर के हाथों में पहुंच जाती है। इससे बचने के लिए एक शील्ड सिस्टम बनाया है। यह सिस्टम हैकर को वाई-फाई पर कोई भी अटैक करने से रोकेगा। साथ ही यूजर को अटैक की जानकारी भी देगा।

इसी श्रेणी में दूसरा पुरस्कार दूसरा सत्य साई कॉलेज, सीहोर के गौरव पांडे, राजेंद्र, उत्सव और विपिन दुबे को ई-कार डिजाइन करने के लिए दिया गया है। तीसरा पुरस्कार कॉर्पोरेट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के हेमराज, सूर्य कुमार सिंह, विजय कुमार और मोहम्मद साहिल को इंडस्ट्रियल वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाने के लिए दिया है।

आग में झुलसे युवक की मौत

हाथ में लगे पेंट को थिनर से धोया, फिर जलाई बीड़ी तो लगी आग

भोपाल (नप्र)। भोपाल के शाहपुरा इलाके में रहने वाले पुताई ठेकेदार की आग की चपेट में आने के बाद इलाज के दौरान सोमवार तड़के सुबह मौत हो गई। 23 दिसंबर को काम से लौटने के बाद हाथ में लगे पेंट को उन्होंने थिनर से साफ किया था।

इसके तत्काल बाद उन्होंने बीड़ी जलाने के लिए लाइटर जलाया। इससे उनके कपड़ों में आग लग गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

रोहित नगर का रहने वाला था मृतक

राजेश मालवीय (40) पुत्र प्रभुलाल मालवीय रोहित नगर शाहपुरा के रहने वाले थे। पुताई की ठेकेदारी करते थे। 23 दिसंबर को काम से लौटने के बाद थिनर से हाथ साफ किए थे। इसी बीच बीड़ी जलाई तो आग लग गई।

इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान सोमवार की सुबह मौत हो गई। उनके तीन बेटी और एक बेटा है। पत्नी गृहिणी हैं। सोमवार की दोपहर को पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी है।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

3

इंदौर, मंगलवार 31 दिसंबर , 2024

दुकान के बाहर थूकने पर विवाद : युवक की लात-घूंसे और झाड़ू से की जमकर धुनाई

इंदौर। एक दुकान के बाहर थूकने को लेकर विवाद हो गया। थूकने के बाद रंगदारी दिखा रहे युवक की दुकानदारों ने जमकर धुनाई कर दी। इसके बाद दुकानदारों पर हमला करने के लिए बदमाश चॉपिंग नाइफ लेकर आया। फिर व्यापारियों ने लात घूसे और झाड़ू से पीटा और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल पुलिस ने गिरफ्तार कर आरोपी को जेल भेज दिया है। मामला जूनी थाना क्षेत्र का है। दरअसल, सिंधी कॉलोनी में दुकान के बाहर थूकने से दुकानदार ने जब मना किया तो युवक को गुस्सा आ गया। इतना ही नहीं वह धारदार चाकू लेकर दुकानदार के पास पहुंच गया। दुकानदारों पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन आसपास के अन्य दुकानदारों ने तुरंत उसको रोक दिया, नहीं तो एक बड़ी वारदात मौके पर घटित हो सकती थी।व्यापारियों ने हमला करने से पहले आरोपी से चॉपिंग नाइफ छीना और उसकी लात घूसों, झाड़ू से जमकर धुनाई की। पिटाई के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिस पर पुलिस ने संज्ञान लिया और सचिन नामक युवक को पकड़ा और वैधानिक कार्रवाई की गई। डीसीपी ऋषिकेश मीणा का कहना है कि युवाओं में आक्रोश लगातार बढ़ रहा है और इसी के कारण ऐसी घटनाएं हो रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने भविष्य और जीवन को देखते हुए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

पार्षद बने भिखारी ! शॉर्ट फिल्म में की एक्टिंग, जनता से की ये अपील

इंदौर। नगर निगम एमआईसी सदस्य और वार्ड 64 के पार्षद मनीष शर्मा ने शॉर्ट फिल्म में भिखारी का किरदार निभाया है। उन्होंने भिक्षुक मुक्त अभियान को प्रोत्साहन देने के लिए इस मूवी के माध्यम से भिक्षावृत्ति को खत्म करने और उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को समझाने का प्रयास किया। पार्षद मनीष शर्मा ने बताया कि प्रशासन और नगर निगम भिक्षुकों को पुनर्वासित करने के लिए विशेष योजनाओं पर काम कर रहे हैं। उन्होंने जनता से भीख मांगने और देने को बढ़ावा न देने की अपील की। उन्होंने कहा, ÷न हम किसी को भिक्षा देंगे, ना किसी को भीख देने देंगे।÷ नगर निगम की इस पहल का उद्देश्य लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने और भिक्षावृत्ति छोड़ने के लिए प्रेरित करना है। इसके साथ ही पिछले दिनों इंदौर जिला कलेक्टर आशीष सिंह ने भी एक आदेश जारी किया है। जिसमें भिक्षा देने वालों के खिलाफ भी अब प्रशासन फिर दर्ज करवाएगा।इंदौर को भिक्षुक मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम लगातार मैदान में उतरकर कार्रवाई करता हुआ नजर आ रहा है। जिसके चलते अब सड़कों पर भिक्षुकों की संख्या लगातार कम होती हुई दिखाई दे रही है।

डॉ. अंबेडकर नगर से चलेगी कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन, लगाए जाएंगे अतिरिक्त कोच

इंदौर। 13 जनवरी 2025 से प्रयागराज में आरंभ हो रहे महाकुंभ मेला के दौरान यात्रियों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल ने विशेष ट्रेन सेवाओं की घोषणा की है। डॉ. अंबेडकर नगर से कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन शुरू होगा। जो यात्रियों को महाकुंभ मेला तक पहुंचाने में मदद करेगी।यह कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन डॉ. अंबेडकर नगर और बलिया के बीच दोनों दिशाओं में चार-चार फेरे करेगी। जिसमें यह ट्रेन 22 और 25 जनवरी 2025, तथा 8 और 22 फरवरी 2025 को चलेगी। ट्रेन के संचालन से यात्रियों को अधिकतम सुविधा मिल सकेगी और वे आसानी से प्रयागराज पहुंच सकेंगे। इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर और जनरल सेकेंड क्लास के कोच होंगे। ताकि विभिन्न वर्ग के यात्रियों को यात्रा की सुविधा मिल सके।यह ट्रेन मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रुकेगी, जिससे यात्रियों को अधिक विकल्प मिलेंगे। जिसमें रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि यदि यात्रियों की मांग अधिक होती है, तो अतिरिक्त कोच भी लगाए जा सकते हैं और ट्रेनों के संचालन में संशोधन किया जाएगा। कुंभ मेला में लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए यह विशेष ट्रेन सेवा महत्वपूर्ण साबित होगी।

56 दुकान पर नहीं होगा नए साल का जश्न : श्री राम मंदिर स्थापना दिवस पर 22 जनवरी को मनाया जाएगा 'विशेष उत्सव'

इंदौर। शहर के प्रसिद्ध 56 दुकान बाजार में इस बार 31 दिसंबर और 1 जनवरी को नए साल के अवसर पर कोई विशेष सेलिब्रेशन नहीं होगा। व्यापारी एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि इस बार उत्सव 22 जनवरी को राम मंदिर स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित किया जाएगा।एसोसिएशन के अध्यक्ष गुंजन शर्मा ने बताया कि, 22 जनवरी को पूरे बाजार में भव्य विद्युत सज्जा की जाएगी और विशेष आयोजन होंगे। इस ऐतिहासिक दिन को लेकर व्यापारियों में खास उत्साह है। उनका मानना है कि राम मंदिर की स्थापना का दिन पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है, और इसे मनाकर बाजार में धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल बनाया जाएगा।व्यापारियों ने बताया कि 22 जनवरी के दिन बाजार को खास अंदाज में सजाया जाएगा। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रमों से 56 दुकान का महत्व और बढ़ेगा। आमतौर पर हर साल नए साल के समय 56 दुकान को सजाया जाता है और बड़ी संख्या में लोग जने की पार्टी मनाने 56 दुकान पर भी पहुंचते हैं अब ऐसे में 56 दुकान आम दिनों की तरह ही नए साल में नजर आएगा।

नशा और अपराध के खिलाफ पुलिस का अभियान : थाने में परिजनों के साथ नाबालिग बच्चों को दिलाई शपथ

इंदौर। शहर में नाबालिद्ध बच्चों के साथ उनके परिजनों को थाने में नशे और अपराध से दूर रहने की शपथ दिलाई। परिजनों को बताया कि बच्चों को किस तरह से संस्कार देकर समाज और देश का एक अच्छा नागरिक कैसे बना सकते हैं।बाणगंगा थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने बताया कि क्षेत्र में नाबालिग बच्चों के द्वारा नशे और आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए पहले से चिन्हित ऐसे परिवारों को थाना बुलाया गया। परिजनों के साथ बच्चों को भी बताया गया कि नशे और अपराध के कारण किस तरह का विपरीत असर पड़ता है। कार्यक्रम में सामाजिक संगठन और उद्योगपतियों को भी सम्मिलित किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि जो नाबालिग बच्चे नशा छोड़ना चाहते हैं उन्हें नशामुक्ति केंद्र भेजने के साथ ही आर्थिक मदद की जाएगी। इसके लिए बकायदा पुलिस ने निगरानी समिति भी बनाई है, जिसमें श्रद्धा पवार सब इंस्पेक्टर को प्रभारी बनाया गया है। नाबालिग बच्चों के उत्थान के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया है जिसमें सीधे तौर पर परिवार के साथ पुलिसकर्मी भी जुड़े हैं। उद्योगपति प्रमोद डफरिया और कई सामाजिक संगठनों को भी जोड़ा जा रहा है ताकि समाज की रक्षा कर सके।

परिवर्तित मौसम में किसानों सहित सभी नागरिक भी रखें पर्याप्त सावधानियां : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राकृतिक आपदा से फसलों की क्षति के प्रावधान के अनुसार किसानों को राहत राशि दी जाएगी। देश के साथ प्रदेश में भी मौसम बदला है। किसानों के किसी भी संकट में सरकार संवेदनशील होकर उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को किसी भी माध्यम से फसल बेचे जाने की सुविधा देती है। ऐसे छोटे किसान जिनकी फसलों का उपार्जन नहीं हो पाता और वे अपने स्तर से फसल बेच देते हैं, उन्हें प्रति हैक्टेयर राशि प्रदान करने अथवा बोनस के संबंध में आवश्यक सहायता के लिए शीघ्र निर्णय लिया जाएगा। इस संबंध में विचार

कर उन किसानों को लाभान्वित करने का निर्णय लिया जाएगा जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं अथवा अपेक्षाकृत सक्षम नहीं हैं। ओला, पाला आदि से फसलों के नुकसान पर जिला स्तर पर आवश्यक निर्देश दिये गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से आह्वान किया कि विपरीत मौसम में फसलों के साथ स्वयं की सुरक्षा के लिए समस्त ऐहतियात बरतें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीण या शहरी क्षेत्र में ट्यूब बैल खुले नहीं रहना चाहिए। ट्यूबवेल खुले रखना प्रतिबंधित है। ऐसे मामलों में जानकारी मिलते ही क्षेत्र के थाने में जानकारी दी जाए। ऐसी लापरवाही पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के नागरिकों को भी असमय वर्षा, शीत आदि से बचाव के लिए सावधानियां बरतने का आग्रह किया है।

सारंग गावड़ एवं सुनील पाटीदार छह माह के लिये जिला बदर

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह द्वारा सारंग पिता बोंदर गावड़ उम्र-19 वर्ष निवासी गोल खेड़ा एवं सुनील पिता जगदीश पाटीदार उम्र-32 वर्ष निवासी ग्राम मेठवाड़ा जिला-इंदौर थाना मानपुर को अपराधिक प्रवृत्ति को होने पर 06 (छह) माह के लिये जिला बदर किया गया है। उक्त अवधि में आरोपी जिला इंदौर एवं उससे लगे हुए अन्य सीमावर्ती जिले उज्जैन, देवास, धार, खरगोन, खंडवा जिलों में भी प्रवेश नहीं कर सकेगा। उक्त आदेश 27 दिसम्बर 2024 को पारित किया गया है।

इंदौरवासी जनवरी माह के अंत तक कर सकेंगे मेट्रो का सफर, 10 रुपये होगा किराया

इंदौर। इंदौर शहरवासी अब जनवरी के अंत तक मेट्रो में बैठकर सफर कर सकेंगे। हालांकि सुपर कॉरिडोर पर 5.9 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ही मेट्रो चलेगी। ऐसे में शहरवासी मेट्रो के सफर के नए अनुभव के लिए इसमें बैठेंगे। यह संभावना जताई जा रही है कि मेट्रो रेल प्रबंधन इस हिस्से में पांच से छह मेट्रो कोच के साथ संचालन शुरू करेगा। यात्रियों की संख्या के आधार पर मेट्रो कोच चलाने का समय तय किया जाएगा। यह संभावना जताई जा रही है कि मेट्रो रेल प्रबंधन गांधी नगर स्टेशन से सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर 3 तक के लिए न्यूनतम 10 रुपये किराया तय करेगा।

कुछ समय के लिए फी में सफर कर सकेंगे शहरवासी

ऐसे में 10 रुपये में लोग मेट्रो के सफर का अनुभव ले पाएंगे। हालांकि यह भी संभावना जताई जा रही है कि सीमित समय के लिए मेट्रो में निश्शुल्क सफर का मौका शहरवासियों को दिया जा सकता है। मेट्रो रेल प्रबंधन द्वारा यात्रियों को मेट्रो की सुविधा देने के लिए कमर्शियल रन शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इसके पहले जनवरी के दूसरे सप्ताह में दिल्ली की कमिश्नर आफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) की टीम मेट्रो कोच के निरीक्षण के लिए आएगी और उसके बाद तीसरे सप्ताह में 5.9 किलोमीटर के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर बने मेट्रो के पांच स्टेशन का निरीक्षण करेगी। गौरतलब है कि 30 दिसंबर तक मेट्रो रेल प्रबंधन सीएमआरएस को दस्तावेज भेजने की प्रक्रिया को पूर्ण करेगा। इसके बाद भी जनवरी में मेट्रो कोच के निरीक्षण के लिए टीम का आना तय होगा।

जुलाई तक रेडिसन चौराहे तक सफर कर सकेंगे शहरवासी

जनवरी में भले ही कमर्शियल रन के तहत सुपर कॉरिडोर के 5.9 किमी हिस्से में मेट्रो का कर्मशियल रन शुरू किया जा रहा है। जुलाई 2025 तक गांधीनगर डिपो से रेडिसन चौराहे तक मेट्रो का संचालन करने की योजना है। ऐसे में अगले सात महीने में शहरवासी मेट्रो में बैठ सुपर कॉरिडोर से रेडिसन चौराहे तक आ सकेंगे।

11वां मेट्रो कोच सेट इंदौर पहुंचा, एमडी ने किया निरीक्षण

मेट्रो के गांधीनगर डिपो पर वड़ोदरा से मेट्रो का 11वां कोच सेट भी इंदौर पहुंच चुका है। शनिवार को मेट्रो के एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने इस कोच सेट का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर चल रहे मेट्रो निर्माण कार्य का निरीक्षण कर प्रगति रिपोर्ट भी जानी। एमडी ने डिपो परिसर में हरियाली बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परिसर में सजावटी के बजाए ऐसे पौधे लगाएं, जो जनोपयोगी हो। उन्होंने मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े सभी कांट्रेक्टर को मेट्रो स्टेशन, डिपो के बचे कार्य व बाहरी सुंदरीकरण के कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

न्यू ईयर के दौरान, एक्सीडेंट रोकने के लिए चिह्नित किए 35 स्पॉट

इन्दौर। न्यू ईयर के जश्न के दौरान शहर में दुर्घटनाएं रोकने के लिए पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए पिछले सालों में जहां दुर्घटनाएं हुईं, ऐसे 35 स्पॉट चिह्नित किए गए हैं। यहां विशेष चेकिंग की जाएगी, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। एडिशनल कमिश्नर अमित सिंह ने बताया कि न्यू ईयर के दौरान हर साल शहर में दुर्घटनाएं होती हैं। लोग शराब पीकर तेज गति से वाहन चलाते हैं, जिसके चलते दुर्घटनाएं होती हैं। पुलिस ने पिछले पांच सालों में न्यू ईयर के दौरान जहां-जहां सबसे अधिक दुर्घटनाएं हुई हैं, ऐसे स्पॉट चिह्नित किए हैं।इन स्पॉट पर पांच सालों में 15 से 20 दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए और चार की मौत तक हो गई थी। इस साल ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए इन स्पॉट पर विशेष नजर रखी जाएगी। यहां पर जिकजैक बैरिकेडिंग की जाएगी और अलग से टीमें तैनात की जाएंगी, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इसके अलावा पुलिस बार और पब के बाहर भी चेकिंग अभियान चलाएगी। यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि बार और पब समय पर बंद हों। इसके लिए इनकी रियल टाइम जूम ऐप के जरिए निगरानी की जाएगी। इसके अलावा पुलिस ने लोगों को एक एडवाइजरी भी जारी की है कि नशे में गाड़ी न चलाएं। यदि कहीं बाहर जाते हैं तो ड्राइवर को रखें, तीन सवारी बैठकर गाड़ी न चलाएं, देर रात तक तेज आवाज में संगीत न बजाएं।

इंदौर में सफल रहा डबल डेकर बसों का ट्रायल, अब नियमित रूप से चलाने की तैयारी, टेंडर जारी

इंदौर। शहर में डबल डेकर बस का ट्रायल सफल हो गया है और अब नियमित रुप से इसे कुछ रुटों पर चलाने की तैयारी एआईसीटीएसएल ने की है। इसके लिए टेंडर भी जारी किए गए है, जो 21 जनवरी को खोले जाएंगे। फरवरी माह तक आपरेटर तय होने के बाद बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इंदौर में एक माह तक शहर के अलग-अलग मार्गों पर डबल डेकर बस को चलाकर देखा गया था। डबल डेकर बस चौड़े मार्गों पर ही संचालित की जाएगी।

चार बसों को चलाने की है तैयारी- इंदौर में फिलहाल चार बसों को चलाने की तैयारी है। डबल डेकर बस की कीमत ज्यादा है। एक बस 2 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होती है। फिलहाल इंदौर के पर्यटन केंद्रों तक भी इसे चलाने की योजना है। बस में 80 से ज्यादा यात्री बैठ सकते है। इसके अलावा दो बसों का अन्य रुटों पर चलाने की योजना है। यह बसें इलेक्ट्रिक होगी। अक्टूबर में बस निर्माता कंपनी ने एक डबल डेकर बस इंदौर भेजी थी। कुछ मार्गों पर इसका संचालन सफल रहा था। तब तय किया गया था कि यह बसें शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र है और इसका संचालन कुछ रुटों पर किया जा सकता है। फिलहाल इन बसों को विजय नगर, स्कीम 140, सुखलिया ग्राम, स्टॉर चौराहा जैसे रुटों पर चलाने की संभावना है। यहां की सड़कें चौड़ी है और यात्रियों की संख्या भी ज्यादा है। बता दे कि डबल डेकर बसों की लंबाई 9 मीटर है, जबकि ऊंचाई 15 फीट। डबल डेकर बस सिंगल चार्जर में ढाई सौ किलोमीटर तक का सफर तय करेगी।

वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये चल रहे विशेष अभियान को गति प्रदान की जाएगी

इंदौर। जिले में आगामी दिनों में 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये चल रहे विशेष अभियान को गति प्रदान की जाएगी। अभियान में तेजी लाने के लिये आंगनवाडी कार्यकर्ताओं की सेवाएं भी ली जाएंगी। वे घर-घर जाकर पात्र वरिष्ठ नागरिकों को चिह्नित करेंगी। अभियान में शामिल आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को इसके लिये विशेष प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में अधिकारी अपने-अपने विभाग की रैंकिंग सुधारें। शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी का एक माह का वेतन काटे जाने तथा विभागीय जाँच का प्रस्ताव भेजे जाने के निर्देश दिये।

कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज यहां समय-सीमा के पत्रों के निराकरण (टी.एल.) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी के सीइओ दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.पी.अहिरवार, अपर कलेक्टर श्रीमती ज्योति शर्मा, राजेन्द्र रघुवंशी तथा श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने समय-सीमा के पत्रों, सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण तथा मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर योजनावार प्रगति की विभागवार समीक्षा की। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में निराकरण में अधिकारी अपने-अपने विभागों की रैंकिंग में सुधार किये जाने के भी निर्देश दिये। कलेक्टर सिंह ने बैठक में निर्देश दिये कि प्रतिदिन सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को अनिवार्य रूप से देखें तथा प्राप्त आवेदनों को संतुष्टि के साथ सकारात्मक तरीके से निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें।

इंदौर में बढ़ी ठंड, तापमान में चार डिग्री की गिरावट

इंदौर। उत्तर और उत्तर-पूर्व दिशा से हवा चलने के कारण मौसम का मिजाज बदल गया। पिछले दो दिनों से इंदौर और आसपास के इलाकों में मावठे की वर्षा हुई। इसका असर रविवार को दिनभर देखा गया। शनिवार सुबह हुई बरसात का असर अगले दिन भी देखने को मिला। रविवार सुबह से मौसम में ठंडक घुली रही। सर्द हवा के कारण दिन का तापमान चार डिग्री नीचे आया। दिनभर धुंध छाई रही।

नए साल का ठंड के साथ होगा स्वागत

शहरवासियों को अभी ठंड से राहत मिल रही है। बादलों के कारण रात में जहां तापमान बढ़ा हुआ है, वहीं दिन में निकल रही धूप भी सर्दी के असर को कम कर रही हैं। अगले सप्ताह में शहरवासियों को हल्की ठंड का अहसासा होगा। वर्ष 2024 की विदाई के साथ नए साल का स्वागत ठंडक के साथ होगा। अगले सप्ताह रात के तापमान में जहां तीन से चार डिग्री गिरावट दिखेगी, वहीं दिन का तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के मौसम विज्ञानियों के मुताबिक वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ जम्मू-कश्मीर व उससे लगे उत्तरी पाकिस्तान पर सक्रिय है।

न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी- राजस्थान व उससे लगे हरियाणा पर चक्रवात का घेरा 1.5 किलोमीटर की ऊंचाई बना हुआ है। इस वजह से अभी इंदौर में वर्षा की गतिविधियां दिखाई दी। इसका असर अगले दो दिन में खत्म हो जाएगा। इसके बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। इसके बाद एक ओर पश्चिम विक्षोभ चार जनवरी के आसपास सक्रिय होगा।

इंदौर में अभी साफ रहेगा मौसम

अगले सप्ताह में दिन के तापमान बढ़ते हुए रहेंगे। इंदौर में अगले चार दिन मौसम साफ रहेगा। सुबह के समय हल्का कोहरा छाएगा। मौसम विज्ञानियों की मानें तो अगले सप्ताह में इंदौर में न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री के बीच रहेगा, वहीं अधिकतम तापमान 27 से 28 डिग्री के बीच रहेगा। बादल न होने के कारण ही न्यूनतम तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी।

एक दिवसीय रोजगार मेला 06 जनवरी को

इंदौर। जिले के बेरोजगार आवेदकों को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय (युवा संगम) रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रोजगार मेले का आयोजन 06 जनवरी 2025 सोमवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नन्दानगर इन्दौर में किया जा रहा है। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में आवेदकों को कॅरियर बनाने का सुनहरा अवसर के साथ-साथ व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये लोन की प्रकिया के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया जायेगा। साथ ही रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनियां जैसे-इन्दौर स्टील, विशाल फेब, रूपरंग, मोजेक वर्क स्कील, अल्ट्रोज टेक्नोलॉज, पटेल मोटर्स, नवशक्ति बॉयो कॅयर, उर्जा टेक सर्विसेस, आई0एफ0एफ0 ओवरसिज, बी-एबल आदि कम्पनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कम्पनियों द्वारा लगभग 300 से अधिक विभिन्न पदों जैसे सेल्स एक्जिकिटीव, टेलीकॉलर, पेकिंग, सैल्स, टीमलिडर, ड्राइवर, बैकआफिस, हैल्पर, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर, टेलर, सुरक्षा गार्ड आदि पदों हेतु आकर्षक वेतन पर रोजगार प्रदान करने हेतु कम्पनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन करेंगे। उक्त मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो की हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में उत्तीर्ण एवं तकनीकी योग्यता जैसे आईटीआई के आवेदक भी उक्त पदों हेतु रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले आवेदक अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों के साथ बायोडेटा की प्रतियों एवं अन्य प्रमाण पत्र जैसे आधार कार्ड आदि के प्रमाणपत्रों की फोटो प्रतियों भी आवश्यक रूप से साथ लेकर आएं।

संस्थाओं व शिविरों के औषधि का माध्यम से आयुष औषधियों का नि: शुल्क वितरण, योगाभ्यास के माध्यम से जागरूकता अभियान

इंदौर। जिला आयुष कार्यालय द्वारा अपनी एक वर्ष की उपलब्धियों का ब्यौरा देते हुए बताया गया है कि उनके अधीनस्थ आयुष संस्थाओं द्वारा आयुष औषधियों का वितरण संस्थाओं व शिविरों के माध्यम निःशुल्क किया जा रहा है। ÷योग करो-निरोग रहो÷ की तर्ज पर आम जनता को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही, मसालों से प्राथमिक रोगोपचार की भी जानकारी दी जा रही है। जिला आयुष कार्यालय इंदौर के अनुसार आयुर्वेद औषधालय, होम्योपैथिक औषधालय तथा यूनानी औषधालय द्वारा आयुष चिकित्सा पद्धति से लाभार्थियों की कुल संख्या दो लाख 24 हजार 340 है। चार मेगा आयुष शिविरों के माध्यम से 3952 लाभार्थियों की संख्या है। जिले में हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर की 09 संस्थाएं कार्यरत हैं, जिनके द्वारा आमजन को ÷योग करो, निरोग रहो÷ की तर्ज पर योगाभ्यास, दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार-विहार, बी.पी. जाँच, शुगर जाँच में जागरूक किया जाएगा। साथ ही, गर्भिणी माताओं-बहनों को भी उक्त विषय में जागरूक किया जा रहा है। कुल 14 हजार 688 आम लोगों को योगाभ्यास का लाभ प्रदान किया गया है। जागरूकता अभियान सतत जारी है। इसी प्रकार मलेरिया रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मलेरिया ऑफ-200 का वितरण कर 97 हजार 327 लोगों को लाभ प्रदान किया गया है। हरियाली महोत्सव के अंतर्गत एक हजार औषधीय पौधों के रोपण के लक्ष्य को पूरा किया जाकर भगवान धनवन्तरी जयंती के उपलक्ष्य में नि:शुल्क आयुष शिविरों का आयोजन कर आमजन को आयुष विधा का लाभ प्रदान किया जा रहा है। टेलिमेडिसन एप आयुष क्योर एप से मरीजों को घर बैठे आयुष विधा का लाभ दिया जा रहा है। उक्त कार्य के लिए अवार्ड व पुरस्कार भी मिले हैं। विगत जनवरी माह 2024 में देवनारायण योजना के अंतर्गत 35 किसानों को औषधीय पौधों की खेती हेतु कार्यशाला व प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था।

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) बैठक 02 जनवरी को

इंदौर। सांसद शंकर लालवानी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) संबंधी बैठक 02 जनवरी 2025 को सुबह 10ः30 बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभागृह में आयोजित की गई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने बताया बैठक में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की समीक्षा, गांव की आबादी का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ मानचित्र की समीक्षा तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन शहरी एवं ग्रामीण की समीक्षा आदि विषयों पर चर्चा की जाएगी।

गंभीर अपराधों के आरोपी राजेश एवं पिन्टू उर्फ अमित जिला बदर

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह द्वारा राजेश पिता अंतरसिंह राजपूत उम्र-38 वर्ष निवासी ग्राम मेठवाड़ा एवं पिन्टू उर्फ अमित पिता कमलसिंह चौहान उम्र-34 वर्ष निवासी ग्राम जैतपुरा तहसील सांवेर जिला इंदौर थाना बेट?मा को 06 (छह) माह के लिये जिला बदर किया गया है। यह भी आदेश पारित किया गया है कि राजेश इंदौर एवं उससे सीमावर्ती जिले उज्जैन, देवास, धार, खरगोन तथा खंडवा जिलों में भी प्रवेश नहीं कर सकेगा। उक्त आदेश 27 दिसम्बर 2024 को पारित किया गया है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, मंगलवार 31 दिसंबर , 2024

संपादकीय

चुनावी वादों के बीच फंसा वोटर

जैसे ही देश का दिल माने जाने वाले दिल्ली में विधानसभा चुनावों का माहौल बनता है तो सभी की नजर इस चुनाव पर लग जाती है। क्योंकि जब बात केंद्र और दिल्ली की सरकार पर काबिज होने की हो तो यह लड़ाई और भी रोचक बन जाती है। ऐसा नहीं कि दिल्ली विधानसभा का चुनाव अन्य राज्यों से अलग है। परंतु यह चुनाव अन्य राज्यों के जैसा होते हुए भी हमेशा से ही अलग ही रहता है। परंतु इस बार के चुनावों की घोषणा से पहले राजनीतिक दलों में जो खींच-तान बनी हुई है वह काफी रोचक है क्योंकि लुभावने चुनावी वादों के बीच मतदाता अपने आप को फंसा हुआ पा रहा है।

दिल्ली के दंगल में सभी राजनीतिक दल अभी से उतर चुके हैं, बस देर है तो चुनावों की तारीखों के ऐलान की। परंतु तारीखों के ऐलान से पहले ही सभी राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने में जुट गए हैं। दिल्ली की मौजूदा सरकार के नेताओं ने दिल्ली की महिलाओं को लुभाने के लिए हर महिला को प्रति माह 2100 रुपए देने का वादा किया है। इसके साथ ही 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके दिल्ली के सभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज देने की घोषणा भी कर दी गई है। गौरतलब है कि दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी द्वारा किए गए यह वे चुनावी वादे हैं जो वे सत्ता में आने के बाद ही पूरे करेंगे। परंतु न जाने क्यों मौजूदा दिल्ली सरकार के ही 2 विभागों ने इन घोषणाओं की हवा निकाल दी है। दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल कल्याण विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने एक विज्ञापन जारी किया जिसमें यह बात स्पष्ट कर दी कि इन 2 घोषणाओं से संबंधित ऐसी कोई भी योजना वर्तमान में मौजूद नहीं है। इस विज्ञापन के जारी होते ही दिल्ली की जनता में संदेह पैदा हो गया। परंतु जैसे ही इस विज्ञापन के चर्चे होने लगे तो दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक बयान जारी कर इस बात को स्पष्ट कर दिया कि इस विज्ञापन की पूरी जांच की जाएगी और ऐसा विज्ञापन जिस भी अधिकारी ने जारी किया है उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि विज्ञापन में ऐसा क्या गलत लिखा गया, जिससे कि आम आदमी पार्टी इतना उत्तेजित हुई? वादा तो चुनावी है जो कि वर्तमान में लागू नहीं है। तो इस विज्ञापन को लेकर इतना बवाल क्यों? क्या वास्तव में ऐसे विज्ञापन को इसलिए जारी किया गया कि जनता के मन में भ्रम पैदा किया जा सके? इसी बीच, जब आम आदमी पार्टी द्वारा ऐसी घोषणाएं की जा रही थीं, तो दिल्ली में भाजपा नेता प्रवेश वर्मा के घर के बाहर महिलाओं की कतार दिखाई दी गई जिसमें वे दिल्ली की 'जरूरतमंद' महिलाओं को 'मदद' बांट रहे थे। उल्लेखनीय है कि

जो-जो महिलाएं प्रवेश वर्मा के घर से निकल रहीं थीं उन्होंने बताया कि बांटे गए लिफाफे में रुपए थे और उन सभी महिलाओं को भाजपा को वोट देने के लिए कहा गया। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ा तो प्रवेश वर्मा और भाजपा के कई नेताओं ने अपनी सफाई में यह कहा कि प्रवेश वर्मा जरूरतमंदों की मदद अपनी एक एन.जी.ओ. की ओर से कई सालों से कर रहे हैं और यह उसी धर्मार्थ कार्य का हिस्सा है। यदि भाजपा के इस धर्मार्थ कार्य को सच मान लिया जाए तो इसमें कोई बुराई नहीं है कि कोई संस्था जरूरतमंदों की मदद करे। परंतु यदि कोई संस्था जिसका मुखिया किसी राजनीतिक दल का हिस्सा हो और ऐन चुनावों की घोषणा से पहले ही ऐसी 'मदद' करे, जिसमें उसकी पार्टी व उसके वरिष्ठ नेताओं से संबंधित प्रचार सामग्री भी हो और बदले में अपनी पार्टी के लिए वोट मांगे तो क्या वह 'धर्मार्थ' कार्य की श्रेणी में आएगा? क्या ऐसा 'धर्मार्थ' कार्य वह संस्था पूरे साल करती है? क्या इस संस्था ने अपने प्रबंधक सदस्यों की बैठक में ऐसे किसी प्रस्ताव को मंजूरी दी थी जिसके तहत किसी एक राजनीतिक दल के समर्थन में वोट जुटाए जाएं? दिल्ली में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच हो रहे ऐसे वार पर गौर किया जाए तो इसकी पृष्ठभूमि में वह महत्वपूर्ण पहलू है जिसके तहत दिल्ली की अफसरशाही दिल्ली के उप-राज्यपाल के अधीन है न कि दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री के। उल्लेखनीय है कि दिल्ली की अफसरशाही पर हक को लेकर एक लंबी कानूनी लड़ाई भी लड़ी गई थी जिसका फैसला देश की सर्वोच्च अदालत ने दिल्ली की चुनी हुई सरकार के हक में ही दिया था। परंतु चूंकि मौजूदा माहौल में केंद्र और दिल्ली की सरकार को अलग-अलग राजनीतिक दल चला रहे हैं, इसलिए 2023 में संसद में एक बिल पेश कर एक कानून बनाया गया जिसके तहत दिल्ली की अफसरशाही को उप-राज्यपाल के अधीन कर दिया गया। ऐसे में चुनावी घोषणा के बाद यदि कोई सरकारी विभाग या मंत्रालय ऐसी घोषणा के खंडन में विज्ञापन देता है तो दिल्ली की जनता को खुद ही समझ लेना चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है?

किन्हें भूलें और किन्हें याद रखें

पूरन चंद सरीन

प्रत्येक वर्ष बहुत कुछ छोड़कर जाता है जो आने वाले वर्ष के लिए महत्वपूर्ण तो होता ही है साथ में चेतावनी भी कि यदि जो भूलें हुई हैं वह दोहराई गईं तो कीमत चुकानी होगी और जो श्रेष्ठ तथा जनहित के काम हुए, वे आगे जारी न रहे तो दुष्परिणाम भुगतने होंगे। यह व्यक्ति, समाज, देश यानी सरकार सब पर समान रूप से लागू होता है। इस वर्ष का आरंभ भव्य राम मंदिर से हुआ और अंत इस बहस से हो रहा है कि राम आज कितने प्रासंगिक हैं। संविधान और उसके निर्माताओं को लेकर वाद विवाद ही नहीं, संसद में मारपीट और धक्का मुक्की तक की नौबत आ गई। जनमानस लक्ष्मण के कार्टून की तरह बस ताक रहा है कि यह दिन भी देखना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि 28 दिसंबर को ही सन 1885 में इंडियन नैशनल कांग्रेस की स्थापना के लिए तब बंबई में अधिवेशन हुआ था और गुलाम भारत को एक नई ज्योति दिखाई दी थी कि वह स्वतंत्रता की उम्मीद रख सकता है। यह राष्ट्रीय दल आज किस अवस्था में है, यह सभी जानते हैं और इस बारे में थोड़ा कहा भी काफी समझा देता है। इस वर्ष देश में जैसे चुनावों की बहार ही छाई रही। लोकसभा और अनेक राज्यों के चुनाव संपन्न हुए। 2014 में एक विकल्प के रूप में उभरी भारतीय जनता पार्टी अपना वर्चस्व बनाए हुए है। शेष सभी दल 'हम भी दौड़ में हैं' की तर्ज पर जहां तहां जुगनूं की तरह चमक दिखाते रहते हैं। वे कसमसाते रहते हैं कि कैसे इस मदमस्त हाथी की सधी चाल को रोका जाए। स्थिति यह है कि गजराज भूल रहे हैं कि एक चींटी उन्हें धूल चटा सकती है। सत्ता का आनंद लेने में कोई बुराई नहीं लेकिन जब यह सिर चढ़कर बोलने लगे तब पतन होना निश्चित है। सत्ताधारी चेत जाएं तो ठीक वरना नियति किसी को बख्शती नहीं। एक देश एक चुनाव की मीमांसा के लिए संसदीय समिति बना दी अन्यथा अधिकतर बिल तो बिना चर्चा के पास कर लिए जाने की परंपरा बन रही थी। विपक्ष पूरा जोर लगाता रहा कि संसद की कार्रवाई चलने ही न दी जाए। भारत के इतिहास में शामिल इन पन्नों से अगली पीढ़ी क्या सीखेगी, यह सोचना है! अटल बिहारी वाजपेयी की इस वर्ष सौंवीं जयंती थी। वे ऐसे प्रधानमंत्री थे जिनकी कथनी विज्ञानी सोच पर आधारित थी और करनी ऐसी कि विश्व में अमरीका जैसे सूरमा दांत किटकिटाने के अतिरिक्त कुछ न कर सकें। संयुक्त राष्ट्र संघ में उदाहरण बना भाषण हो, केवल एक वोट की कमी से सरकार का त्याग कर देना हो या दुनिया भर की सैटेलाइट क्षमता को चकमा देकर आणविक परमाणु हथियार से देश को सशक्त करना हो, हमेशा याद रहेंगे। उनके संपर्क में आने, उनसे बातचीत करने और उनका मुक्त अट्टहास सुनने का अवसर जिन्हें मिला, वे धन्य हैं। अटल जैसा न भूतो न भविष्यति। भारत की नदियों को जोड़ कर उनके जल का इस्तेमाल सिंचाई, अतिवृष्टि और सूखाग्रस्त क्षेत्रों को हरा भरा बनाने की कल्पना का जन्म अटल जी के ही मन में हो सकता था। उनके स्वप्न को धराशायी करने का काम कांग्रेस सरकार ने किया। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह जो नरसिम्हा राव की खोज थे और जिन्हें अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का श्रेय जाता है, वे अपने कार्यकाल में ज्यादा कुछ न कर सके। वे भी अब 92 वर्ष की आयु में दिवंगत हो चुके हैं। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

आज का कार्टून

क्या छत्तीसगढ़ में नेचुरल फार्मिंग और औषधि क्रांति की संभावनाएं हैं?

बदलती जलवायु और प्रकृति के नुकसान के कारण देसी औषधीय पौधे भी अच्छी तरह से विकसित नहीं हो रहे हैं। यहां फिर से हमें याद रखना होगा कि हमारे प्राचीन ज्ञान में भोजन ही हमारी औषधि थी, और देसी आहार और आवास के खत्म होने के साथ ही औषधीय पौधे और उनके उपयोग भी खत्म हो रहे हैं। सार्वजनिक खरीद और कृषि रसायनों के लिए सब्सिडी के माध्यम से औद्योगिक कृषि के लिए सरकार का जोर अधिक जंगलों को काटने और उन्हें खेतों में बदलने को प्रोत्साहित कर रहा है। कोई भाजपा या कांग्रेस को दोष नहीं दे सकता, छत्तीसगढ़ के राज्य तंत्र ने सालों से इस नीति को आगे बढ़ाया है। इंद्र शेखर ने बताया कि, कैसे इन समस्याओं से निपटा जा सका है। उन्होंने कहा कि, हमारे नीति निर्माताओं को केवल राज्य की विशाल क्षमता का दोहन करने के लिए इकोलॉजी की ओर मुड़ने की आवश्यकता है। पहला कदम प्रत्येक जिले में कम से कम दो ब्लॉकों को जैविक खेती वाले क्षेत्रों में बदलने की घोषणा करना है, जो तीन साल की अवधि के लिए संक्रमणकालीन वित्तीय प्रोत्साहन द्वारा समर्थित हैं और देशी फसलों जैसे बाजरा, धान आदि की गारंटीकृत खरीद के साथ हैं।

इंद्र शेखर सिंह

इंडस्ट्रियल एग्रीकल्चर (औद्योगिक कृषि) हमारी मिट्टी, पानी को नष्ट कर रही है और हमारे भोजन में केमिकल डाल रही है। यह कोई रहस्य नहीं है फिर भी, बढ़ती भूख और कुपोषण कॉरपोरेट लॉबिस्ट के लिए कृषि-रसायनों को बढ़ावा देने का पसंदीदा बहाना है। यह हमारे भोजन और चिकित्सा समस्याओं के लिए पारंपरिक कृषि ज्ञान और प्रकृति आधारित समाधानों को बेहद आसानी से खत्म करता जा रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि, इसका समाधान कहां पर मौजूद है? देश का ऐसा कौन सा इलाका है जो इन समस्याओं से हमें काफी हद तक निजात दिला सकता है। इंद्र शेखर सिंह ने इन समस्याओं का हल खोजने के लिए बलरामपुर से बस्तर और दूसरे चरण में राजनांदगांव से जशपुर तक छत्तीसगढ़ की यात्रा शुरू की, जिसमें सरगुजा, बिलासपुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, जगदलपुर आदि जैसे कई गांव और जिले शामिल थे।

यह सब राज्य भर में कृषि प्रथाओं की अच्छी समझ हासिल करने के लिए किया गया था। छत्तीसगढ़ क्षेत्र में प्राकृतिक खाद्य और फार्मास्युटिकल सिस्टम को बढ़ावा देने की क्षमता है। देश के अन्य हिस्सों की तुलना में, किसानों के पास पारंपरिक कृषि में निहित अनूठी खेती की प्रथाएं थीं। उदाहरण के लिए धान के खेतों की सीमाओं पर अरहर की दाल उगाना, जिससे फलियां बढ़ती हैं और मिट्टी भी उपजाऊ होती है। खेतों की सीमाओं पर पेड़ लगाना, जो देश के अधिकांश भागों में नहीं है।

इंद्र शेखर सिंह ने कहा कि, धान, जो कई क्षेत्रों का मुख्य खाद्यान्न है, खेतों में स्थानीय किस्म की सब्जियां भी उगाई जा सकती हैं। कुद्रुम (थेपा उर्फ लखाड़ा) खट्टे गुलाबी पंखुड़ियों वाला लंबा पतला पौधा है, जो कैल्शियम और एंटी ऑक्सीडेंट का एक बेहतरीन स्रोत है। राज्य में साग की एक विशाल किस्म भी है, जो मौसमी रूप से उगती है और बहुत पौष्टिक होती है।

उन्होंने बताया कि, छत्तीसगढ़ में कई तरह के खाद्य मशरूम भी उगते थे, जिनका उपयोग नहीं किया गया है। क्षेत्र का आदिवासी ज्ञान भी ज्यादातर अज्ञात है। इन समुदायों के बुजुर्गों के पास जंगल के पेड़ों और पौधों के बारे में बहुत ज्ञान था, जो चिकित्सा में क्रांति ला सकता था और लाखों भारतीयों को राहत पहुंचा सकता था।

इंद्र शेखर ने बताया कि, कृषि की स्थिति को सुधारने और शायद कृषि में हरित छलांग लगाने के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने कई समस्याओं पर ध्यान केंद्रीत करते हुए कहा कि, पहला संकट, सार्वजनिक खरीद प्रणाली के माध्यम से धान की खरीद को बढ़ावा देना है। छत्तीसगढ़ सरकार ने धान और गेहूं की खरीद के लिए आक्रामक तरीके से जोर दिया है। राज्य के सुदूर इलाकों में भी खरीद केंद्र और धान से भरे बोरों को देखा जा सकता है। इससे किसानों को लगातार नकद आय भी मिलती है, लेकिन इसका एक बड़ा नुकसान यह है कि कई इलाकों में किसान अपनी पारंपरिक फसलों जैसे बाजरा- कोदो, कुटकी और देशी धान को छोड़कर औद्योगिक किस्मों के धान और गेहूं की खेती कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में कुछ इलाकों में कृषि जैव विविधता नष्ट हो रही है। ध्यान रहे कि छत्तीसगढ़ में कई तरह की फसलें और सब्जियां उगाई जाती हैं, जिन्हें हमारी राष्ट्रीय विरासत के तौर पर संरक्षित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि, अब चिकित्सा की दुनिया में कदम रखते हुए, विभिन्न आदिवासी समुदायों के बुजुर्ग और पारंपरिक चिकित्सक सदियों से पौधों और पेड़ों के बारे में अपने ज्ञान को संरक्षित करते रहे हैं, अभ्यास करते रहे हैं और अपने समुदायों के युवा सदस्यों को सिखाते रहे हैं। लेकिन यह परंपरा टूट रही है। इसका पहला कारण, जंगलों का खत्म होना और कटना है। दूसरा कारण यह कि युवा पीढ़ी आधुनिक औद्योगिक परिस्थितियों के कारण इस ज्ञान को आगे नहीं बढ़ा पा रही है।

बदलती जलवायु और प्रकृति के नुकसान के कारण देसी औषधीय पौधे भी अच्छी तरह से विकसित नहीं हो रहे हैं। यहां फिर से हमें याद रखना होगा कि हमारे प्राचीन ज्ञान में भोजन ही हमारी औषधि थी, और देसी आहार और आवास के खत्म होने के साथ ही औषधीय पौधे और उनके उपयोग भी खत्म हो रहे हैं। सार्वजनिक खरीद और कृषि रसायनों के लिए सब्सिडी के माध्यम से औद्योगिक कृषि के लिए सरकार का जोर अधिक जंगलों को काटने और उन्हें खेतों में बदलने को प्रोत्साहित कर रहा है। कोई भाजपा या कांग्रेस को दोष नहीं दे सकता, छत्तीसगढ़ के राज्य तंत्र ने सालों से इस नीति को आगे बढ़ाया है। इंद्र शेखर ने बताया कि, कैसे इन समस्याओं से निपटा जा सका है। उन्होंने कहा कि, हमारे नीति निर्माताओं को केवल राज्य की विशाल क्षमता का दोहन करने के लिए इकोलॉजी की ओर मुड़ने की आवश्यकता है। पहला कदम प्रत्येक जिले में कम से कम दो ब्लॉकों को जैविक खेती वाले क्षेत्रों में बदलने की घोषणा करना है, जो तीन साल की अवधि के लिए संक्रमणकालीन वित्तीय प्रोत्साहन द्वारा समर्थित हैं और देशी फसलों जैसे बाजरा, धान आदि की गारंटीकृत खरीद के साथ हैं। इन्हें राज्य की खाद्य योजनाओं में खरीदा और इस्तेमाल किया जा सकता है या बाद में अन्य राज्यों या निजी बाजारों में भी बेचा जा सकता है।

सरकारों को कृषि के साथ मत्स्य पालन (मछली पालन) या जहां संभव हो बकरी, मुर्गी या दूध के संचालन की शुरूआत जैसी एकीकृत कृषि प्रणाली भी शुरू करने की आवश्यकता है। क्योंकि पशु जिले में जैविक खेतों के लिए खाद प्रदान करेंगे। छत्तीसगढ़ में मांस की खपत अधिक है, इसलिए स्थानीय मुर्गीपालन जैसे चिकन या टर्की और बकरी फार्म के लिए खरीदार तैयार रहेंगे। राज्य में मत्स्य पालन की भी बड़ी संभावना है। क्लस्टरों को पशुओं, मुर्गीपालन, मत्स्य पालन और जैविक किसानों के मिश्रण को बढ़ावा देना चाहिए ताकि औद्योगिक बाजारों पर सीमित निर्भरता के साथ नकद आय, मिट्टी और पानी सभी में सुधार हो सके। कृषि-रासायनिक सब्सिडी को इस दिशा में मोड़ दिया जाना चाहिए।

भारत रत्न मिले तो क्या राजनीति से संन्यास ले लेंगे नीतीश

25 दिसंबर को, वरिष्ठ जे.डी.(यू) नेताओं ने नई दिल्ली में इसी बात पर जोर दिया। हालांकि, इस मुद्दे पर नीतीश कुमार की चुप्पी ने राजनीतिक हलकों में अटकलों को हवा दे दी है कि विधानसभा चुनाव से पहले वह एक और राजनीतिक बदलाव कर सकते हैं। लेकिन अब बड़ा सवाल यह है कि अगर नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने के बाद उन्हें सक्रिय राजनीति से संन्यास लेना आसान हो सकता है, इससे उनके समर्थकों में सद्भावना बढ़ेगी और इसके अलावा इससे भाजपा के हाथों में राजनीतिक सत्ता भी जाएगी।

राहिल नोरा चोपड़ा

अगले साल अक्तूबर-नवंबर में बिहार विधानसभा के चुनाव होने हैं, ऐसे में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 25 दिसंबर को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक को भारत रत्न दिया जाना चाहिए। इससे पहले अक्तूबर 2024 में, जे.डी.(यू) ने पटना में कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाया था, जिसमें सीएम नीतीश कुमार के लिए भारत रत्न पुरस्कार की मांग की गई थी और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सैक्युलर) जीतन राम मांझी और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान सहित सत्तारूढ़ गठबंधन पार्टी के नेताओं ने इस मांग का समर्थन किया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन अटकलों को खारिज किया है कि भाजपा बिहार में महाराष्ट्र जैसी रणनीति अपना सकती है। जबकि राज्य भाजपा नेतृत्व ने कहा है कि एन.डी.ए. आगामी राज्य विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा। 25 दिसंबर को, वरिष्ठ जे.डी.(यू) नेताओं ने नई दिल्ली में इसी बात पर जोर दिया। हालांकि, इस मुद्दे पर नीतीश कुमार की चुप्पी ने राजनीतिक हलकों में अटकलों को हवा दे दी है कि विधानसभा चुनाव से पहले वह एक और राजनीतिक बदलाव कर सकते हैं। लेकिन अब बड़ा सवाल यह है कि अगर नीतीश कुमार को भारत रत्न मिल भी जाता है तो क्या वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे और अपनी पार्टी और सरकार भाजपा को सौंप देंगे? परन्तु यह संभावना कम ही लगती है। हालांकि, भाजपा नेताओं का मानना है कि नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने के बाद उन्हें सक्रिय राजनीति से संन्यास लेना आसान हो सकता है, इससे उनके समर्थकों में सद्भावना बढ़ेगी और इसके अलावा इससे भाजपा के हाथों में राजनीतिक सत्ता भी जाएगी।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का पटना राजभवन में स्थानांतरण : बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का पटना राजभवन में स्थानांतरण काफी स्पष्ट है और यह किसी की नजर में नहीं आने वाला है। जे.डी.(यू) ने खान की उदार और प्रगतिशील अल्पसंख्यक चेहरे के रूप में साख का हवाला देते हुए इस फैसले का स्वागत किया है। वहीं, आर.जे.डी. ने भी खान की नियुक्ति का स्वागत किया है, लेकिन केरल में उनके राज्यपाल के रूप में कार्यकाल का हवाला देते हुए संघीय ढांचे की कथित अवहेलना के उनके पिछले रिकॉर्ड पर संदेह और आशंका जताई है। हालांकि, खान केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की सरकार के साथ कई मुद्दों पर उलझे हुए हैं, जबकि भाजपा-एन.डी.ए. नेतृत्व का मानना है कि बिहार के राज्यपाल के रूप में उनकी नियुक्ति से राज्य में एन.डी.ए. को ही मदद मिलेगी।

इस बीच नीतीश कुमार सरकार के लिए असली चुनौती यह है कि अगर वह मुस्लिम समुदाय तक नहीं पहुंचती है, तो वह न केवल एक महत्वपूर्ण मतदाता आधार खो देगी, बल्कि 18 प्रतिशत मुस्लिम वोट भी राजद और कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन (विपक्षी गठबंधन) को चला जाएगा।

'आप' ने दिया विपक्षी एकता को बड़ा झटका - दिल्ली चुनाव से पहले विपक्षी एकता को बड़ा झटका देते हुए आम आदमी पार्टी ('आप') ने कहा कि अगर वह अरविंद केजरीवाल को देशद्रोही कहने वाले वरिष्ठ नेता अजय माकन के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती है और यह स्पष्ट नहीं करती है कि वह दिल्ली चुनाव के लिए भाजपा के साथ मिलीभगत कर रही है या नहीं, तो वे अन्य दलों से कांग्रेस को 'इंडिया' ब्लॉक से हटाने के लिए कहेंगे। 'आप' ने यह भी आरोप लगाया कि केजरीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे संदीप दीक्षित और मनीष सिसोदिया के खिलाफ चुनाव लड़ रहे फरहाद सूरी सहित कांग्रेस के उम्मीदवारों को भाजपा द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। 'आप' का यह कदम ऐसे समय में आया है जब हरियाणा और महाराष्ट्र में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस ने नेतृत्व के मुद्दे पर कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

टी.एम.सी. प्रमुख ममता बनर्जी ने 'इंडिया' गठबंधन की कमान संभालने के लिए शरद पवार और लालू प्रसाद जैसे क्षत्रपों का समर्थन हासिल किया है। दूसरी ओर, सपा ने भी यू.पी. उप-चुनावों में अपनी ताकत दिखाई है और अब उसने दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनावों में अरविंद केजरीवाल को समर्थन देने का फैसला किया है।

कांग्रेस का संविधान बचाओ राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क अभियान : कांग्रेस कार्य समिति (सी.डब्ल्यू.सी.) ने भाजपा के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार को घेरने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, भारतीय संविधान के निर्माता भीमराव आंबेडकर और संविधान के इर्द-गिर्द केंद्रित 13 महीने लंबे अभियान की घोषणा की। पार्टी ने कहा कि उसने 26 जनवरी, 2025 और 26 जनवरी, 2026 के बीच संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा नामक एक राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क अभियान की भी योजना बनाई है।

कांग्रेस ने यह घोषणा ऐसे समय की है जब वह एक राजनीतिक विवाद में लगी हुई है, जिसमें भाजपा पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संसद में भाषण का हवाला देते हुए बी.आर. आंबेडकर का अनादर करने और संविधान को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, भाजपा ने आरोपों का खंडन किया। पार्टी ने जवाबदेही और क्षमता के आधार पर एक बड़े संगठनात्मक बदलाव का भी आह्वान किया, जो तुरंत शुरू होकर अगले साल तक चलेगा। प्रस्ताव में कहा गया है कि अगला ए.आई.सी.सी.सत्र अप्रैल 2025 में

14 रुपये के शेयर पर अभी से 5 रुपये का फायदा, दांव लगाने का बचा है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। आन्या पॉलिटेक का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के आखिरी दिन दोपहर 12 बजे तक 74 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी के आईपीओ में अभी दांव लगाने का मौका है। आन्या पॉलिटेक का आईपीओ 30 दिसंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला हुआ है। आन्या पॉलिटेक के शेयर ग्रे मार्केट में भी धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 35 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं।

आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के आईपीओ में शेयर का दाम 14 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का ग्रे मार्केट प्रीमियम बढ़कर 5 रुपये पहुंच गया है। मौजूदा जीएमपी के हिसाब से आन्या पॉलिटेक के शेयर 19 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। यानी, आईपीओ में जिन निवेशकों को आन्या पॉलिटेक के शेयर अलॉट होंगे, वह लिस्टिंग वाले दिन 35 पर्सेंट से ज्यादा के फायदे की उम्मीद कर सकते हैं। आन्या पॉलिटेक के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के स्स्ध्र प्लेटफॉर्म पर 2 जनवरी 2025 को लिस्ट होंगे।

आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के आखिरी दिन दोपहर 12 बजे तक 74.53 गुना सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 101.15 गुना दांव लग गया है। आईपीओ में नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 94.28 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं, क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 13.12 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। आन्या पॉलिटेक के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते हैं। आईपीओ की एक लॉट में 10000 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 1 लॉट के लिए 1,40,000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना होगा।

वेंचुरा ने अडानी के शेयर का टार्गेट प्राइस 37 प्रतिशत किया कम फिर भी स्टॉक में उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। वेंचुरा सिक्योरिटीज ने अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के लिए अपने टार्गेट प्राइस को लगभग 37 प्रतिशत घटाकर 3,801 रुपये कर दिया है, जो पहले 5,999 रुपये था। इसके बावजूद इस शेयर को खरीदने की होड़ मची है और आज यह करीब 4 पर्सेंट उछल गया। इस उछाल के पीछे वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 24) में अच्छी वृद्धि का अनुमान है।

बता दें घरेलू ब्रोकरेज ने शेयर पर अपनी रेटिंग बरकरार रखी है। वेंचुरा द्वारा टार्गेट प्राइस में की गई यह कमी करीब दो साल बाद आई है। इसका पिछला लक्ष्य जनवरी 2023 में एईएल के क्यूआईपी के आसपास निर्धारित किया गया था।

क्या रहा आज अडानी एंटरप्राइजेज का हाल– आज अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 2425 रुपये पर खुले और 2536.70 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए। सुबह 11ः45 बजे के आसपास, अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत एनएसई पर 4.32 प्रतिशत बढ़कर 2,503.14 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गई। कंपनी का मार्केट कैप 2.90 लाख करोड़ रुपये रहा। शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम मूल्य 3,743.90 रुपये प्रति शेयर और 52-सप्ताह का लो 2,025 रुपये प्रति शेयर रहा। वेंचुरा सिक्योरिटीज का मानना है कि अडानी एंटरप्राइजेज को वित्त वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 27 के दौरान समेकित राजस्व में 17.5 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर और शुद्ध आय में 45.8 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।

भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण खिलाड़ी– वेंचुरा ने कंपनी द्वारा संचालित एयरपोर्ट बिजनेस के लिए 1.87 ट्रिलियन रुपये, सड़क के लिए 52,056 करोड़ रुपये, कोयला के लिए 29,855 करोड़ रुपये और डेटा सेंटर बिजनेस के लिए 11,003 करोड़ रुपये का इक्विटी मूल्य रखा है।

दिवालिया होने की कगार पर अमेरिका का अमीर शहर पोर्टोला वैली, नए नियम से लोग नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के सबसे अमीर शहरों में शामिल एक शहर दिवालिया होने की कगार पर है। यह शहर सैन फ्रांसिस्को से मात्र एक घंटे की दूरी पर है। इसका नाम पोर्टोला वैली है। सरकार के एक नियम के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। इस सिलिकॉन वैली में लिंक्डइन के को-फाउंडर रीड हॉफमैन, सन माइक्रोसिस्टम्स के को-फाउंडर विनोद खोसला और हाल ही रिटायर हुए नाइकी के सीईओ जॉन डोनाहो भी रहते हैं। इस शहर में एक घर की औसतन कीमत 4 मिलियन डॉलर (करीब 34 करोड़ रुपये) है।

इस शहर में करीब 4500 लोगों के घर हैं। इस एरिया को अमीर लोगों के लिए जाना जाता है। दुनिया के कई अरबपति इस शहर में रहते हैं। लेकिन सरकार के नियम से यहां के सभी अरबपति परेशान हैं। सरकार के नियमों को मानने के बाद यह शहर दिवालिया होने से नहीं बचेगा। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार यहां रहने वाले अरबपति भी इस शहर को घाटे में जाने से नहीं रोक सकते।

क्या है सरकार का नियम– कैलिफोर्निया सरकार ने इस शहर में कई चीजों पर खर्च के लिए लागत बढ़ा दी है। यह बढ़ी हुई लागत यहां रहने वाले लोगों से वसूली जाएगी। शहर के सबसे बड़े खर्चों में सैन मेटियो काउंटी शेरिफ

ऑफिस के साथ कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी लागतें, राज्य की आवास जरूरतों का अनुपालन और कर्मचारी संबंधी लागतें शामिल हैं। इसमें पुलिस की सेवाएं लेना भी शामिल हैं। यहां रहने वाले लोग पुलिसिंग के लिए सैन मेटो काउंटी शेरिफ कार्यालय पर निर्भर हैं।

शहर की वित्त समिति के अनुसार सार्वजनिक सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने वाले शेरिफ का कॉन्ट्रैक्ट अगले वित्तीय वर्ष में 1.7 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2.1 मिलियन डॉलर हो जाएगा। यह वर्तमान में पोर्टोला वैली के कुल 8.8 मिलियन डॉलर के बजट का लगभग 20 फीसदी हिस्सा है।

नकदी में आ रही कमी– पोर्टोला वैली के नकद भंडार तेजी से खत्म हो रहा है। इसका कारण भी नए शेरिफ के साथ कॉन्ट्रैक्ट में बढ़ती लागत है। साथ ही इस राज्य की ओर से निर्धारित किफायती आवास की जरूरतें भी हैं।

आवास नियम कहता है कि जहां रहने वाले अमीरों को सरकारी पैसा तभी मिलेगा जब इस जगह पर 253 कम आय वाले घर बनाए जाएं। हालांकि सरकार के इस नियम का यहां रहने वालों ने विरोध किया है।

शेरिफ ने क्या उठाया कदम– शेरिफ कार्यालय को शहर का भुगतान केवल तीन वर्षों में दोगुना हो गया है। साल 2021 में यह एक मिलियन डॉलर था जो 2024 में बढ़कर 2.1 मिलियन डॉलर हो गया। साल 2022 में शेरिफ संघ ने अधिक महंगे श्रम समझौते पर बातचीत की और बढ़ी हुई लागत अब स्थानीय सरकारों पर डाली जा रही है।

वकीलों की ले रहे मदद– राज्य के इन नियमों को लेकर यहां रहने वाले लोग कानूनी सलाह ले रहे हैं। सरकार के कानूनों को दरकिनार करने के लिए यहां के लोगों ने वकीलों को काम पर रखा है।

यहां के मेयर क्रेग ह्यूजेस ने बताया कि ऐसा कोई पड़ोस नहीं है जहां कोई अरबपति न हो और वह सरकार पर मुकदमा न कर सके।

चीन की कंपनी के साथ इलेक्ट्रिक कार और ई-ट्रक लॉन्च करेगी भारतीय कंपनी !

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की कंपनियों का भारतीय कंपनियों के साथ मिलकर काम करना जारी है। इस कड़ी में एक और कंपनी जल्द जुड़ सकती है। दरअसल, जेएसडब्ल्यू ग्रुप अपनी इलेक्ट्रिक वाहन क्षमता बढ़ाने के लिए चीनी कंपनियों से बातचीत कर रहा है। किसी अंतिम नतीजे पर पहुंचने के बाद यह ग्रुप चीनी कंपनियों के साथ मिलकर काम करना शुरू कर देगा।

इकॉनमिक टाइम्स के अनुसार जेएसडब्ल्यू ग्रुप अपने खुद के ब्रांड के तहत इलेक्ट्रिक कार और ई-ट्रक लॉन्च करने की प्लानिंग बना रहा है। इसके लिए यह ग्रुप जीली और बीवायडी जैसी चीन की प्रमुख कंपनियों के साथ पार्टनरशिप के लिए बातचीत कर रहा है। बता दें कि इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर के नेतृत्व में भारत का ईवी बाजार 2024 के पहले 11 महीनों में 1.87 मिलियन यूनिट तक पहुंच गया। साल के अंत तक यह 2 मिलियन के आंकड़े से थोड़ा कम रह सकता है।

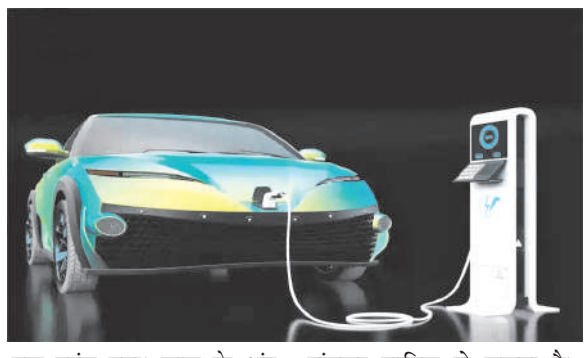

साल 2025 में पूरी हो सकती है प्लानिंग– ग्रुप की इस प्लानिंग के बारे में जानकारी रखने वाले एक शख्स ने कहा कि सज्जन जिंदल के स्वामित्व वाला यह ग्रुप सहयोग की तलाश कर रहा है। इसमें चीन की स्ध्रुष्ट मोटर के साथ मौजूदा जॉइंट वेंचर के अलावा एक पूर्ण मोबिलिटी कंपनी के लिए संभावित लाइसेंसिंग एग्रीमेंट या टेक्नॉलजी ट्रांसफर शामिल हो सकता है। माना जा रहा है कि जेएसडब्ल्यू ग्रुप की यह प्लानिंग साल 2025 में पूरी हो सकती है।

शेयर में आई तेजी– यह जानकारी सामने आने के बाद जेएसडब्ल्यू ग्रुप की कंपनी जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिडेट के शेयर में तेजी आ गई। सोमवार सुबह कंपनी के शेयर 4.60 प्रतिशत की तेजी के साथ 653.80 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। इससे पहले कंपनी के शेयरों में गिरावट दर्ज की जा रही थी।

क्या है ग्रुप का प्लान

जानकारों के मुताबिक इस ग्रुप ने अपने स्वयं के ईवी ड्राइव के लिए इलेक्ट्रिक कारों और कमर्शियल व्हीकल के लिए दो-दो प्लेटफॉर्म भी चुने हैं। कारोबार को जेएसडब्ल्यू ग्रीन मोबिलिटी के तहत रखे जाने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि मौजूदा जॉइंट वेंचर, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया का जेएसडब्ल्यू ग्रीन मोबिलिटी के साथ तालमेल होगा, लेकिन दोनों स्वतंत्र रूप से काम करेंगे।

जीली वोल्वो कार्स की पेरेंट कंपनी है। वहीं यह लोटस केयर की पार्ट-ऑनर कंपनी है। यह कंपनी इन ब्रांडों के माध्यम से भारत में मौजूद है। भारत के उभरते ईवी बाजार में बीवायडी की भारतीय मार्केट में सीधी मौजूदगी है।

जेएसडब्ल्यू ग्रीन मोबिलिटी इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कार बनाने के लिए महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में 27,200 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। यह प्रति वर्ष 500000 इलेक्ट्रिक कारें और 100000 कमर्शियल व्हीकल बनाएगा। यह सितंबर 2024 में राज्य मंत्रिमंडल की ओर से स्वीकृत सात प्रोजेक्ट में से एक थी। सितंबर में कंपनी ने राजीव मेहता को व्यवसाय प्रमुख के रूप में नियुक्त किया था।

18000 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न, अब मिलेंगे 2 पर 1 शेयर फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी। फिनटेक कंपनी एल्गोक्वेंट फिनटेक लिमिटेड ने पहली बार बोनस शेयर देने का फैसला किया है। कंपनी ने 28 दिसंबर 2024 को रिकॉर्ड डेट का ऐलान भी कर दिया है। हालांकि, पिछले 5 साल में यह स्टॉक 18000 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है। आइए डीटेल्स में जानते हैं इस कंपनी के विषय में-

कब है रिकॉर्ड डेट– 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले 2 शेयर पर योग्य निवेशकों को एक शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। कंपनी ने इसके लिए 28 दिसंबर 2024 को रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। शेयर बाजार में कंपनी 8 जनवरी 2025 को एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी।

हो चुका है कंपनी के शेयरों का बंटवारा– एल्गोक्वेंट फिनटेक लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा हो चुका है। कंपनी के शेयर 2021 में एक्स-स्प्लिट स्टॉक के तौर पर ट्रेड किए थे। तब कंपनी के शेयरों को 5 हिस्सों में बांट दिया गया था। जिसके बाद 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो गई थी। बता दें, कंपनी ने अभी तक एक बार भी निवेशकों को डिविडेंड नहीं दिया है।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन धमाकेदार– शुक्रवार को कंपनी के शेयर 1.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 1364.30 रुपये के लेवल पर था। बीते 6 महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, 1 साल से कंपनी के शेयरों को होल्ड कर रहे निवेशकों को अबतक 24 प्रतिशत का फायदा मिला। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 1619.80 रुपये और 52 वीक लो लेवल 972.10 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 1989 करोड़ रुपये का है।

पिछले 3 साल में स्टॉक का भाव 194 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, 5 साल से स्टॉक में निवेश करके शेयरों को होल्ड रखने वाले इनवेस्टर्स को अबतक 18000 प्रतिशत से अधिक का लाभ मिल चुका है।

UGC NET December 2024 Admit Card: NTA releases hall ticket at ugcnet.nta.ac.in

The National Testing Agency (NTA) has released the UGC NET December 2024 exam admit cards. Candidates can download the UGC NET 2024 December exam admit card at ugcnet.nta.ac.in. Candidates will have to log in to the website through their application numbers and date of birth to download the UGC NET hall ticket.

The UGC NET December 2024 exams will be held between January 3 and January 16, 2025. NTA has now released the admit cards for the January 3 exam only. Admit cards for other exam dates will be released later, a statement on the official website read.

Candidates have been asked to check their photo, signature, barcode and QRCode on the admit card. If either the photo, signature, barcode and QRCode is missing, candidates should re-download it, NTA added.NTA will be conducting the UGC NET 2024 December exams in 85 subjects in Computer Based Test (CBT) mode. The UGC NET December 2024 exam will be conducted in two shifts – the first from 9 am to 12 noon and the second between 3 pm to 6 pm.

In case candidates find it difficult to download the UGC NET admit cards can also contact 011-40759000 or email at ugcnet@nta.ac.in.

CTET 2024 answer key to release by January 2

The Central Board of Secondary Education (CBSE) will release the Central Teacher Eligibility Test (CTET) 2024 answer key along with the candidates' response sheets by January 1 or 2, a senior CBSE official told media. "We are trying to release the answer keys by January 1 or 2, and the result will release in the week following the release of the answer key — i.e. around January 6 or 7," a senior CBSE official said.

Once released, the answer keys and response sheets can be checked and downloaded from the official website — ctet.nic.in.

If the challenge is accepted by CBSE i.e. if any mistake is noticed by the subject experts in the answer key, a policy decision will be notified and the fee shall be refunded. The refund (if any) will be transferred online to the concerned credit/debit card account, so the candidates are advised to pay from their own credit/debit card. The decision of Board on the challenges shall be final and no further communication will be entertained.

CBSE conducted the CTET December 2024 exam on December 14 in two shifts for a duration of two-and-half-hours for two papers — paper 1 (for Class 1 to 5) and paper 2 (for Class 6 to 8).

To clear the exam, the candidates need to secure 60 per cent marks out of 150 marks. For reserved category candidates, the cut-off is 55 per cent which comes to around 82 marks out of 150. Those who clear the CTET will be eligible to seek a job as a teacher in CBSE-affiliated schools.

Candidates who pass the part-I exam will be eligible to teach in classes 1 to 5 and those who wish to teach in classes 6 to 8 will have to clear part-II.

2 लाख करोड़ रुपये की इंडस्ट्री पर यह कैसा दाग एनजीटी ने लगा दी सरकार की क्लास !

नई दिल्ली, एजेंसी। देश इस समय रिन्यूएबल एनर्जी की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसमें एक बड़ा हिस्सा सोलर एनर्जी का है। सोलर एनर्जी पैदा करने के लिए अंबानी और अडानी समेत देश के कई बड़े उद्योगपति प्लांट लगा रहे हैं और बिजली पैदा कर रहे हैं। सोलर एनर्जी पैदा करने के लिए सोलर पैनल का इस्तेमाल होता है। अब यही सोलर पैनल देश के पर्यावरण के लिए खतरा बन रहे हैं।

दरअसल, खराब फोटोवोल्टिक (पीवी) सोलर पैनल का निपटारा और रीसाइक्लिंग देश में सही तरीके से नहीं हो रहा है। इसे लेकर हाल ही में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को आड़े हाथों लिया है। इस बारे एक याचिका दायर की गई थी। इसमें कहा गया था कि खराब सोलर पैनल से पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। इस मामले में एनजीटी ने सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

कैसी है भारत की सोलर इंडस्ट्री– भारत की सोलर इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ रही है। बात अगर सोलर एनर्जी की करें तो भारत में साल 2023 में इसका मार्केट 10.4

बिलियन डॉलर का था। साल 2030 तक यह बढ़कर 25 बिलियन डॉलर (करीब 2.13 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच सकता है।

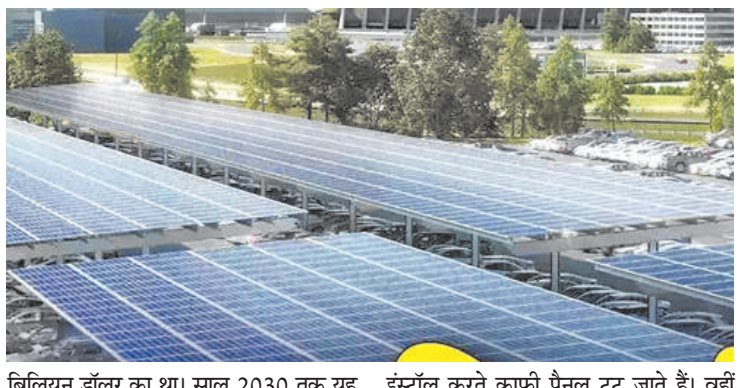

वहीं अगर सोलर पैनल को देखें तो इसका भी देश में बड़ा मार्केट है। साल 2023 में इसका मार्केट कैप 7.31 बिलियन डॉलर था। साल 2024 से 2030 तक इसमें 9.4 प्रतिशत की दर से तेजी आने की उम्मीद है।

खराब सोलर पैनल क्यों हैं दाग– सोलर पैनल की लाइफ 25 से 35 साल तक होती है। हालांकि इसके लिए जरूरी है इनकी देखभाल सही तरीके से हो। कई बार इन्हें इंस्टॉल करते काफी पैनल टूट जाते हैं। वहीं इनका लाइफस्पैन खत्म होने के बाद ये किसी काम के नहीं होते। ऐसे में इनके निपटारे की देश में कोई सही व्यवस्था नहीं है। ऐसे में ये इस तेजी से बढ़ते सेक्टर पर किसी दाग से कम नहीं हैं।

तेजी से बढ़ रहा कचरा– सोलर पैनल का कचरा देश में तेजी से बढ़ रहा है। इसका कारण है कि सोलर पैनल अब गांव-गांव पहुंचने लगे हैं। इसके टूटने या खराब होने के बाद इन्हें सामान्य कूड़े में फेंक दिया जाता है जबकि इसका सही तरीके से निपटारा होना चाहिए।

दरअसल, सोलर पैनल का निपटारा या इनकी रीसाइक्लिंग भी इतनी आसान नहीं हैं। इन्हें रीसाइक्लिंग करने के लिए इनकी हर लेयर को सही तरीके से हटाना जरूरी है। इन्हें बनाने के कई तरह की धातुओं का इस्तेमाल किया जाता है। इनके खराब होने पर अगर इनका निपटारा सही न किया जाए तो ये पर्यावरण में जहरीले केमिकल और भारी धातुएं छोड़ते हैं।

चांदी भी होती है सोलर पैनल में– सोलर पैनल को बनाने में चांदी समेत कई चीजों का इस्तेमाल होता है। ऐसे में इसे सही तरीके से रीसाइकल करके चांदी समेत कई महत्वपूर्ण धातुओं को अलग किया जा सकता है।

देश में तेजी से बढ़ रही सोलर क्षमता– भारत की सौर क्षमता तेजी से बढ़ रही है। देश-दुनिया की कई कंपनियां इसमें तेजी से काम कर रही हैं। साल 2030 तक यह क्षमता 292 जीडब्ल्यू होने का अनुमान है। ऐसे में देश में सोलर पैनल का कचरा और ज्यादा पैदा होगा। अगर इसका सही तरीके से निपटारा नहीं किया गया तो सोलर एनर्जी के उगते सूरज पर यह कचरा एक बड़ा धब्बा बन सकता है।

कंपनी को उत्तर प्रदेश में मिला 1100 सोलर पम्प लगाने का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड (पहले का नाम सर्वोटेक पावर सिस्टम लिमिटेड) को उत्तर प्रदेश से बड़ा काम मिला है। कंपनी को कुसुम कंपोनेंट सी-1 स्कीम के तहत उत्तर प्रदेश न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट अथॉरिटी से 1100 ग्रिड कनेक्टेड एग्रीकल्चर पम्प का ऑर्डर मिला है। बता दें, इस खबर के आने का असर कंपनी के शेयरों पर भी दिख रहा है। बीएसई में कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। जिसके बाद स्टॉक का भाव 5 प्रतिशत की छलांग मारते हुए 169.41 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है।

31 करोड़ रुपये के करीब है प्रोजेक्ट की कीमत– इस पूरे प्रोजेक्ट की कीमत करीब 31 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस काम के तहत कंपनी को मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमिशनिंग भी पम्प का करा होगा। इसके अलावा पम्प की 5 साल की वारंटी भी रहेगी। यानी 5 सालों तक कंपनी को मेंटनेंस भी देखना होगा।

सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड (पहले का नाम सर्वोटेक पावर सिस्टम लिमिटेड) को उत्तर प्रदेश से बड़ा काम मिला है। कंपनी को कुसुम कंपोनेंट सी-1 स्कीम के तहत उत्तर प्रदेश न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट अथॉरिटी से 1100 ग्रिड कनेक्टेड एग्रीकल्चर पम्प का ऑर्डर मिला है। बता दें, इस खबर के आने का असर कंपनी

के शेयरों पर भी दिख रहा है। बीएसई में कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। जिसके बाद स्टॉक का भाव 5 प्रतिशत की छलांग मारते हुए 169.41 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है।

31 करोड़ रुपये के करीब है प्रोजेक्ट की कीमत– इस पूरे प्रोजेक्ट की कीमत करीब 31 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस काम के तहत कंपनी को मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमिशनिंग भी पम्प का करा होगा। इसके अलावा पम्प की 5 साल की वारंटी भी रहेगी। यानी 5 सालों तक कंपनी को मेंटनेंस भी देखना होगा।

इस ऑर्डर के मिलने के बाद सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड की डायरेक्टर सारिका भाटिया कहती हैं, पीएनईडी से मिले इस ऑर्डर से हम काफी उत्साहित हैं। हम किसानों की समस्याओं को समझते हैं। लेकिन ये प्रोजेक्ट उन्हें क्लीन एनर्जी और टिकाऊ व्यसस्था देगा।

अलविदा 2024

तीसरे विश्वयुद्ध के खतरे से बार-बार सशंकित होती रही दुनिया जंग ने बदला स्वरूप

साल 2024 कई मायने में दुनिया के लिए बेहद डरावना रहा। रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-हमास, इजरायल-हिजबुल्ला, इजरायल-ईरान संघर्ष ने कई बार तीसरे विश्वयुद्ध के खतरों से दुनिया को सशंकित किया। इतना ही नहीं 2024 में बार-बार दुनिया पर परमाणु युद्ध का खतरा भी मंडराता रहा।

साल 2024 दुनिया के लिए बहुत उथल-पुथल वाली रही। पहले से ही चल रहा रूस-यूक्रेन युद्ध और अक्तूबर 2023 से चल रहे इजरायल-हमास युद्ध के चलते कई बार ऐसी परिस्थितियों पैदा हुईं, जिससे दुनिया पर तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडराने लगा। इतना ही नहीं द्वितीय विश्व युद्ध से भी घातक परमाणु हथियारों के उपयोग की धमकियों ने पूरी दुनिया को कई बार हिला कर रख दिया। वहीं इजरायल-हमास के बीच एक साल पहले शुरू हुई जंग पूरे मिडिल ईस्ट तक फैल गई। आइये आपको बताते हैं 2024 में दुनिया की ऐसी तमाम महत्वपूर्ण घटनाएं, जिसने दुनिया को कई बार दहशत में डाल दिया।

रूस-यूक्रेन युद्ध

फरवरी 2022 से शुरू हुआ रूस-यूक्रेन यूक्रेन युद्ध 2024 में और भी ज्यादा घातक हो गया। इस साल अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले यूक्रेन को रूस के अंदरूनी हिस्सों पर अमेरिका हथियारों के इस्तेमाल की इजाजत देकर एक तरीके से तीसरे विश्व युद्ध की जमीन तैयार करने का काम किया। रूस ने दुनिया की सबसे खतरनाक माने जाने वाली हाईपरसोनिक आईसीबीएम मिसाइल यूक्रेन पर दागकर अपने इरादे को जता दिया कि वह जरूरत पड़ने पर परमाणु हमला करने से नहीं चूकेगा। रूस ने कई बार यूक्रेन की मदद करने वाले नाटो, अमेरिका और ब्रिटेन पर भी हमले की धमकी दी। इससे तीसरे विश्व युद्ध के खतरे की आहट लगातार महसूस होती रही। इस बीच रूस ने अपनी परमाणु नीति में संशोधन करके और परमाणु हथियारों की युद्ध क्षेत्र में तैनाती करके दुनिया की धड़कनें कई बार बढ़ा दी।

इजरायल-हमास युद्ध

7 अक्तूबर 2023 से शुरू हुए इजरायल-हमास युद्ध की आग ने धीरे-धीरे लेबनान से लेकर, यमन,ईरान और सीरिया तक को अपने चपेट में ले लिया। गाजा में इजरायल के ताबड़तोड़ मिसाइल हमलों के खिलाफ यमन के हूतियों ने लाल सागर और अदन की खाड़ी में जहाजों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। इससे इजरायल को हमास के साथ हूतियों से भी संघर्ष करना पड़ा। वाणिज्यिक जहाजों पर हूतियों को हमले रोकने और उन्हें सबक सिखाने के लिए कई बार अमेरिका और ब्रिटेन ने मिलकर यमन पर बड़ी एयर स्ट्राइक की और हूतियों के अहम ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। इजरायल ने भी कई बार हूतियों पर करारा जवाबी हमला किया। साल 2024 में इजरायल ने हमास चीफ इस्माइल हानिया उर्फ इस्माइल हनियेह व याह्या सिनवार की हत्या करके हमास आतंकियों का हौसला तोड़ दिया। इससे हिजबुल्लाह और ईरान भी इजरायल से सीधे मोर्चा ले बैठे। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इजरायली हमले में अब तक 45 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

इजरायल-हिजबुल्लाह युद्ध

गाजा में इजरायल के हमलों और हमास नेताओं की इजरायली सेना द्वारा हत्या किए जाने से लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने भी प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से पंगा ले लिया और तेल-अवीव पर रॉकेट हमले करना शुरू कर दिया। जवाब में इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकानों पर भीषण हवाई हमला शुरू किया। एक हवाई हमले में हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह मारा गया। इसके बाद नये चीफ सफीद्दीन को भी इजरायली सेना ने मार गिराया। बाद में गाजा के तर्ज पर इजरायली सेना ने लेबनान में भी जमीनी अभियान शुरू कर दिया। इजरायल ने पेजर और बैटरी ब्लास्ट करके हिजबुल्लाह के हजारों लड़ाकों को मार डाला। यह इजरायली तकनीकी का युद्ध में नया प्रयोग था। लेबनान पर इजरायल के हवाई और जमीनी हमलों से हिजबुल्ला ने आखिरकार दम तोड़ दिया। इस जंग में 8 हजार से ज्यादा लोग मारे गए। अब इजरायल और हिजबुल्लाह में संघर्ष विराम हो गया।

इजरायल-ईरान युद्ध

इजरायल-हिजबुल्लाह में संघर्ष विराम होने से पहले हमास चीफ इस्माइल हानिया, याह्या सिनेवार और हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह व हाशिम सफीद्दीन की हत्या से ईरान बौखला गया। अक्तूबर के महीने में ईरान ने अचानक इजरायल पर 180 मिसाइलों से हमला कर दिया। इससे पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। तेहरान के इस हमले के बाद इजरायल-ईरान में सीधी जंग के खतरे ने पूरे मिडिल ईस्ट को युद्ध की आग में झोंक दिया। इधर पहले से यूरोप में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध और फिर मिडिल-ईस्ट में भड़की इस भीषण जंग ने तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ा दिया। बाद में इजरायल ने ईरान पर जवाबी एयरस्ट्राइक करके उसके गुप्त परमाणु ठिकानों समेत कई सैन्य अड्डों को ध्वस्त कर दिया।

साल 2024 की घटनाएं जो देश-दुनिया के लिए बन गईं इतिहास

साल 2024 समाप्त होने वाला है। नए साल में भले ही काफी कुछ नया होने वाला हो, लेकिन पूरी दुनिया के लिए साल 2024 काफी महत्वपूर्ण रहा। सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में इस साल कई बड़ी घटनाएं हुईं, जो इतिहास में याद रखी जाएंगी। चाहें बात अयोध्या में राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा की हो, या फिर लेबनान में हुए पेजर अटैक की। आज हम आपको 2024 में देश-दुनिया में घटी उन घटनाओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने इतिहास रच दिया।

राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा

2019 में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में लंबे वक्त से चला आ रहा राम जन्मभूमि-बाबरी विवाद समाप्त हो गया। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हो गया और 22 जनवरी 2024 को मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा कर दी गई।

लोकसभा चुनाव 2024

19 अप्रैल से 1 जून 2024 के बीच सात चरणों में आम चुनाव 2024 के लिए मतदान हुआ। ये मतदान इस साल की बड़ी राजनीतिक घटनाओं में से एक है। इस बार के चुनावी नतीजे चौंकाने वाले रहे। एक तरफ जहां एनडीए अबकी बार, 400 पार का नारा देकर चुनावी समर में उतरी थी, वहीं दूसरी तरफ एनडीए को हराने के लिए विपक्षी दलों ने इंडिया अलायंस बनाया। चुनावी नतीजे सामने आए तो एनडीए 400 के आंकड़े तक नहीं पहुंच सकी, लेकिन नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। वहीं विपक्षी दलों को भी लोकसभा चुनाव में कुछ सीटों पर बढ़त मिली।

तिरुपति लड्डू विवाद

2024 में आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में प्रसाद के रूप में मिलने वाले लड्डू में मिलावट का मामला सामने आया। आरोप लगा कि प्रसाद को बनाने में जिस मिलावटी घी का इस्तेमाल किया जा रहा है, वह जानवरों की चर्बी और फिश ऑयल से बना था। विवाद की जड़ें पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी तक पहुंचीं। टीडीपी सरकार ने जून 2024 में सीनियर आईएएस अधिकारी जे श्यामला राव को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम का नया एक्जीक्यूटिव ऑफिसर अपॉइंट किया था। उन्होंने ही प्रसाद की क्वालिटी जांच के आदेश दिए थे।

रियासी आतंकी हमला

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के पौनी इलाके में 9 जून को एक बस पर आतंकवादियों ने हमला किया था। बस शिव खोरी से कटरा जा रही थी, तभी आतंकियों ने गोलीबारी की थी। हमले के बाद बस खाई में जा गिरी, जिसमें एक बच्चे समेत 9 लोगों की मौत हो गई थी।

हाथरस भगदड़ कांड

उत्तर प्रदेश के हाथरस में 2 जुलाई को सत्संग के बाद मची भगदड़ में 123 लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा उस वक्त हुआ जब एक धार्मिक सतसंग के दौरान हजारों की संख्या में लोग एकत्रित हुए थे। पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा इंतजाम नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ, जिसमें भारी भगदड़ मच गई और लोग दबकर मारे गए। घटना के बाद सत्संग करने वाला भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शिफ्ट हो गया।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज

अगस्त 2024 में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या का मामला सामने आया था। घटना के आरोपी संजय रॉय को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। वहीं कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल संदीप घोष पर भी शिकंजा कसा गया था। घटना के बाद से ही कोलकाता समेत पूरे पश्चिम बंगाल में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए। कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। 11 नवंबर से इस मामले में ट्रायल शुरू हो गया है।

वायनाड भूस्खलन

केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई की रात एक भीषण भूस्खलन हुआ। इस भीषण त्रासदी में कई किलोमीटर तक का क्षेत्र पूरी तरह तबाह हो गया। इस भूस्खलन में 231 से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हुई। बताया गया है कि इसमें मरने वालों की संख्या 420 से ज्यादा है। घटना के बाद कई इलाकों में बचाव अभियान चलाया गया। बर्बादी का मंजर दिल दहला देने वाला था। इस त्रासदी में लगभग 1200 करोड़ रुपये का नुकसान बताया गया।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट

अगस्त 2024 में भारत के एक और पड़ोसी देश राजनीतिक उथल-पुथल की घटना का शिकार हो गया। हिंसक प्रदर्शनों के बाद बांग्लादेश में पीएम शेख हसीना की सरकार का तख्तापलट कर दिया गया। इसके बाद शेख हसीना बांग्लादेश को छोड़कर भारत आ गईं। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों की संख्या बढ़ती चली जा रही हैं। इस कारण भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्ते को प्रभावित हो रहे हैं। वर्तमान में बांग्लादेश में मुहम्मद युनूस अंतरिम सरकार की कमान संभाल रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत

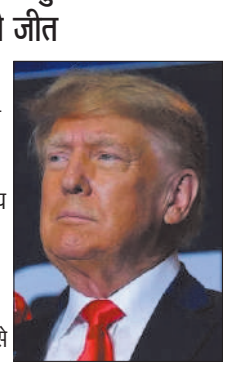

अमेरिका में नवंबर महीने की 5 तारीख को हुए राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। उन्होंने डेमोक्रेट पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को बड़े अंतर से हरा दिया। चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को 312 इलेक्टोरल वोट और कमला हैरिस को 226 इलेक्टोरल वोट हासिल हुए। राष्ट्रपति पद के साथ ही अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट में भी रिपब्लिकम पार्टी ने बहुमत हासिल कर लिया है।

सीरिया में तख्तापलट और असद की विदाई

लंबे समय से सीरिया में शांत पड़े विद्रोही गुटों ने अपनी ताकत जुटाई और दिसंबर महीने में सीरिया की सत्ता पर कब्जा कर लिया। इसके साथ ही साल 2000 से सीरिया पर शासन कर रहे बशर अल असद की सत्ता का अंत हो गया। असद ने सीरिया को छोड़कर रूस में शरण ली है। विद्रोही समूह हयात तहरीर अल-शाम ने सीरिया का प्रशासन अपने हाथों में ले लिया है। 8 दिसंबर को हयात तहरीर अल-शाम के लोग राजधानी दमिश्क पहुंचा और असद के शासन के पतन का जश्न मनाया।

लेबनान पेजर ब्लाट अटैक

लेबनान में हिजबुल्लाह के लड़ाकों को मारने के लिए इजरायल ने पेजर को हथियार की तरह इस्तेमाल किया। इसमें बैटरी के पास विस्फोटक लगाया गया और फिर सही वक्त आने पर उसमें धमाका कर दिया गया। हिजबुल्लाह के लड़ाके लंबे वक्त से इसका इस्तेमाल कर रहे थे, लेकिन उन्हें इसकी भनक तक नहीं लगी थी।

राहुल बने नेता प्रतिपक्ष

रायबरेली से सांसद और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पहली बार लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष बने। करीब 10 साल बाद लोकसभा को नेता प्रतिपक्ष मिला है। बीते दो चुनावों में कांग्रेस के पास आवश्यक 10 फीसदी सीट शेयर नहीं था, ऐसे में पार्टी नेता प्रतिपक्ष के लिए दावा पेश नहीं कर पाई थी।

HIV का इंजेक्शन

ह्यूमन इम्नयूनोडेफिशिएंसी वायरस यानी HIV की वैक्सीन खोजने का रिकॉर्ड भी साल 2024 के खाते में दर्ज है। इस इंजेक्शन को लेनकापाविर नाम दिया गया है। फेज 3 के ट्रायल के दौरान इसे 96 फीसदी तक इफेक्टिव पाया गया।

साल 2024 का आखिरी महीना चल रहा है। कुछ ही दिनों में दुनिया नए साल का स्वागत करेगी। अब जब साल 2024 के आखिरी कुछ दिन बचे हैं, तब वक्त है इस साल की घटनाओं और स्वास्थ्य संकटों पर नजर डालने का है।

2024 में दुनिया ने कई गंभीर बीमारियों का सामना किया। इन बीमारियों ने ना केवल लाखों लोगों को प्रभावित किया, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों पर भारी दबाव भी डाला है। चो चलिए आपको उन बीमारियों के बारे में बताते हैं जिन्होंने 2024 में सबसे अधिक तबाही मचाई।

मंकीपॉक्स से लेकर जीका वायरस तक 2024 में इन बीमारियों ने फैलाई दहशत

कोविड-19 का XBB वेरिएंट

2024 में कोरोना वायरस का कहर एक एक बार फिर देखने को मिला। इस साल कोरोना के नए वेरिएंट XBB ने दुनिया भर में तबाही मचाई। कोविड-19 का XBB वेरिएंट ने ना सिर्फ वैक्सीन की प्रभावशीलता को कम किया है, बल्कि कई लोगों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। कोरोना का यह वेरिएंट तेजी से फैलने वाला था और बच्चों व बुजुर्गों पर अधिक प्रभाव डाल रहा था।

मंकीपॉक्स

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 12 जून, 2024 तक दुनिया भर में मंकीपॉक्स के 97,281 मामले दर्ज किए गए थे। इतना ही नहीं, दुनिया में मंकीपॉक्स के कारण 208 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे महामारी भी घोषित किया था। अफ्रीका के कई देशों को अपनी चपेट में लेने के बाद यह बीमारी यूरोप और एशिया तक फैली थी।

निपाह वायरस

भारत के दक्षिणी राज्य केरल में 2024 में निपाह वायरस का प्रकोप देखने को मिला। निपाह वायरस चमगादड़ों और सूअरों से फैलता है। कोरोना की तरह की निपाह भी एक संक्रामक बीमारी है, जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैलती है। निपाह वायरस की चपेट में आने से केरल में कई लोगों की मौत हुई है।

डेंगू

2024 में डेंगू बुखार ने एशिया, दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका में बड़ी संख्या में लोगों को संक्रमित किया। एशियाई देशों में होने वाली बारिश के कारण डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 30 अप्रैल 2024 तक 7.6 मिलियन से अधिक डेंगू के मामले दर्ज किए गए थे। साल 2024 में डेंगू की वजह से 3000 से अधिक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

इबोला

अफ्रीका के कई हिस्सों में इबोला और अन्य संक्रामक रोगों का प्रकोप जारी रहा, जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए। अफ्रीका के बाद इसका एक मामला फिलीपींस में भी पाया गया। इस बीमारी की शुरुआत गिनी के दूर दराज वाले इलाके जेरेकोर में हुई थी लेकिन इसने लाखों लोगों को अपनी चपेट में ले लिया था।

चुनाव के नाम रहा पूरा साल

साल 2024 अपने आखिरी पड़ाव की ओर है। इस साल देश में राजनीतिक घटनाओं को अंबार लगा रहा है। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण रहा लोकसभा चुनाव 2024। वहीं, देश के 3 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा का चुनाव भी हुआ। देश में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन और कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी दलों के अलायंस के बीच मुकाबला देखने को मिला।

हरियाणा विधानसभा चुनाव

हरियाणा में 90 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव 2024 का आयोजन 5 अक्टूबर को किया गया था। इस चुनाव का परिणाम 8 अक्टूबर को सामने आया और भाजपा ने लगातार तीसरी बार राज्य में सत्ता हासिल की। चुनाव में भाजपा ने 48 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया। कांग्रेस पार्टी को 37 सीटों पर जीत मिली। वहीं, इनेलो ने दो सीटें जीती और तीन निर्दलीय भी चुनाव जीते।

जम्मू-कश्मीर विस चुनाव

केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में करीब 10 साल बाद विधानसभा चुनाव का आयोजन किया गया। प्रदेश में 3 चरणों में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोटिंग हुई। वहीं, चुनाव के नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए गए। इस चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को जीत

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव का आयोजन 20 नवंबर को किया गया था। वहीं, 23 नवंबर को चुनाव के परिणाम सामने आए। विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन में शामिल भाजपा को 132, एनसीपी को 41 और शिवसेना को 57 सीटों पर जीत हासिल हुई है। गठबंधन ने भारी बहुमत हासिल किया।

झारखंड विधानसभा चुनाव

झारखंड में 81 विधानसभा सीटों पर 2 चरण में 13 नवंबर और 20 नवंबर 2024 को चुनाव का आयोजन किया गया था। चुनाव के परिणाम 23 नवंबर को जारी कर दिए गए। चुनाव में जेएमएम, कांग्रेस और राजद के गठबंधन को जीत हासिल हुई।

भारत, रूस और अमेरिका समेत कई बड़े देशों में हुए चुनाव

साल 2024 भारत, अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसे देशों में चुनाव के लिए जाना जाएगा। भारत, रूस, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे राष्ट्रों में नेताओं ने सत्ता में वापसी की तो वहीं अमेरिका से लेकर ब्रिटेन, जापान, फ्रांस, श्रीलंका जैसे देशों में भारी उथल-पुथल देखने को मिली।

रूस - यूक्रेन से छिड़ी जंग के बीच व्लादिमिर पुतिन को अप्रैल 2024 में 5वीं बार रूस का राष्ट्रपति चुना गया। वह 2024 से लगातार सत्ता में हैं।

ब्रिटेन चुनाव - ब्रिटेन में 650 सीटों के लिए 4 जुलाई 2024 को हुए आम चुनाव में 14 साल बाद लेबर पार्टी का जादू चला। तत्कालीन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की राइट-विंग कंजर्वेटिव पार्टी को भारी हार का सामना करना पड़ा।

दक्षिण अफ्रीका - यहां 29 मई 2024 को नेशनल असेंबली का चुनाव हुआ। यहां सत्तारूढ़ अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी रही, लेकिन उसके समर्थन में काफी गिरावट दर्ज की गई।

जापान - जापान में 27 अक्तूबर 2024 को आम चुनाव हुए। इसमें प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को बहुमत नहीं मिला।

फ्रांस - फ्रांस में भी जुलाई 2024 में आम चुनाव हुए। यहां 577 सीटों के लिए हुए चुनाव में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिल सका।

बांग्लादेश चुनाव - जनवरी 2024 में बांग्लादेश में हुए चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की बड़ी जीत हुई। उन्होंने 300 सीटों वाली असेंबली में 222 सीटों पर जीत दर्ज की लेकिन अगस्त 2024 में बांग्लादेश में छात्रों के आंदोलन ने उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया।

पाकिस्तान चुनाव - पाकिस्तान में 8 फरवरी 2024 को आम चुनाव हुए। पाकिस्तान की 336 सदस्यीय असेंबली में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल) ने 75 सीटें जीतीं। पीएमएल-एन गठबंधन ने दूसरी बार सरकार बनाई।

श्रीलंका चुनाव - 21 सितंबर 2024 को श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव हुआ। इसमें वामपंथी नेता अनुरा कुमार दिसानायके को भारी जीत हासिल हुई।

जायसवाल का कैच आउट विवाद

गावस्कर और शास्त्री ने अंपायर के फैसले को बताया गलत

मेलबर्न, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेट सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री ने सोमवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच के दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल को पैट कमिंस की गेंद पर तीसरे अंपायर के फैसले गलत बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

भारत की दूसरी पारी के 71वें ओवर में जायसवाल ने कमिंस की शॉर्ट पिच गेंद को पुल करने का प्रयास किया था लेकिन गेंद उनके बल्ले के बेहद करीब से निकली और कीपर ने पीछे कैच किया। ऑस्ट्रेलिया ने अपील की लेकिन मैदानी अंपायर जोएल विल्सन ने नकार दिया। कमिंस ने इस पर रिव्यू लिया और तीसरे अंपायर बंगलादेश के शफुद्दौला ने जब स्निको पर इस कैच को चेक किया तो कोई भी डिफलेक्शन नहीं दिख रहा था। लेकिन नॉर्मल वीडियो में दिख रहा था कि गेंद यशस्वी के ग्लब्स के पास से डिफलेक्ट हो रही थी।

तीसरे अंपायर ने नॉर्मल वीडियो के डिफलेक्शन पर भरोसा किया और स्निको को नकारते हुए आउट का फैसला दिया। इसके बाद कॉमेंटी कर रहे गावस्कर ने कहा, 'यह फैसला पूरी तरह से गलत है। तीसरे अंपायर को सबूत चाहिए और तीसरे अंपायर को उसी हिसाब से निर्णय देना होगा। अगर मैदानी अंपायर ने कोई निर्णय लिया है तो उसको बदलने के लिए पर्याप्त सबूत चाहिए होते हैं, जो इस मामले में नहीं था। ऐसे में आप तकनीक का प्रयोग क्यों ही कर रहे हैं। वीडियो में जो दिख रहा है, वह ऑप्टिकल इल्यूजन भी हो सकता है। वहीं शास्त्री ने कहा, 'बहुत कम बार ऐसा फैसला होता है, जहां पर स्निको में कुछ नहीं दिखता और आप मैदानी अंपायर के नॉट आउट के फैसले को बदल कर आउट का निर्णय लेते हैं। आज ऐसा लग रहा है कि स्निको ऑस्ट्रेलिया का छठा गेंदबाज है।

दक्षिण अफ्रीका डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रोटियाज ने 148 रन के मामूली लक्ष्य को रोमांचक अंदाज में हासिल किया और चौथे दिन 2 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष पर अपनी जगह पक्की कर ली है। वह 11 मैचों में से सात जीत के बाद 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है। अब तीसरे डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया या भारत में से एक उनका प्रतिद्वंद्वी होगा।

दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान

सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका ने 27/3 के खतरनाक स्कोर से शुरुआत की। एडेन मार्कराम अपने स्कोर में 15 रन जोड़कर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी बने। कप्तान टेम्बा बावुमा ने 40 रन बनाए, लेकिन मोहम्मद अब्बास की गेंद पर आउट हो गए जिससे एक बार फिर पाकिस्तान की उम्मीदें जगी। लेकिन मार्को जेनसन और कैगिसो रबाडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जेनसन ने 16 रन बनाकर नाबाद रहते हुए विजयी रन बनाए और रबाडा 31 रन बनाकर नाबाद रहे। शनिवार को जेनसन के छह विकेटों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 148 रन के छोटे लेकिन मुश्किल लक्ष्य को हासिल कर लिया।

स्टंप्स तक दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 27/3 था, जिसमें पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों ने चौंकाने वाले नतीजे की संभावना पैदा कर दी थी। तीन साल से अधिक समय के बाद लंबे प्रारूप में वापसी करने वाले मोहम्मद अब्बास ने अंतिम सत्र में टोनी डी जोरजी (2) और ट्रिस्टन स्टब्स (1) को एलबीडब्लू आउट किया। इस बीच खुर्रम शहजाद ने कप्तान शान मसूद को रयान रिकेल्टन के खिलाफ सफल रिव्यू लेने के लिए राजी किया, जो पांच गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। पाकिस्तान की पारी के दौरान, सऊद शकील (84) और बाबर आज़म (50) ने अर्धशतक लगाए लेकिन जेनसन के चार ओवर में तीन विकेटों ने पाकिस्तान को प्रभावित किया क्योंकि मेहमान टीम ने 88-3 से आगे खेलने के बाद 84 रन पर सात विकेट खो दिए।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया टेस्टः

मेलबर्न टेस्ट हारा भारत

ऑस्ट्रेलिया ने 184 रन से हराया

- **यशस्वी थर्ड अंपायर के विवादित फैसले पर आउट, सबसे ज्यादा 84 रन बनाए**

मेलबर्न, एजेंसी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट 184 रन से हार गई है।

इस हार का सबसे बड़ा कारण थर्ड अंपायर्स का एक विवादित फैसला रहा, जिसमें यशस्वी जायसवाल 84 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें फील्ड अंपायर ने नॉटआउट दिया था, लेकिन रिव्यू पर पर्याप्त सबूत नहीं होने के बावजूद थर्ड अंपायर्स ने उन्हें आउट किया। जब जायसवाल का विकेट गिरा, तब भारत को मैच ड्रॉ कराने के लिए 22 ओवर खेलने थे और 3 विकेट बाकी थे। ऐसे में यहां भारत मैच ड्रॉ करा सकता था, लेकिन यशस्वी के विकेट के बाद भारत का लोअर ऑर्डर (आखिरी 3 बैटर्स) बिखर गया।

सोमवार को टीम इंडिया के सामने यह स्थिति टॉप ऑर्डर बैटर्स के खराब परफॉर्मेंस की वजह से आई। यशस्वी के अलावा, शुरुआती 3 बल्लेबाज रोहित शर्मा (9), केएल राहुल (0) और विराट कोहली (5) दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए। यशस्वी ने ऋषभ पंत के साथ 88 रन की साझेदारी कर टीम को शुरुआती झटकों से उबारा, लेकिन पंत ने खराब शॉट खेलकर अपना विकेट गंवा दिया। इसके बाद जडेजा और रेड्डी के भी विकेट जल्दी-जल्दी गिर गए।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस ने एक ही ओवर में 2 विकेट लिए। वे 3 विकेट ले चुके हैं। मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, नाथन लायन और ट्रैविस हेड को एक-एक विकेट मिले। सुबह ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 234 रन बनाते हुए भारत को जीत के लिए 340 रन का टारगेट दिया था। इससे पहले, पहली पारी में भारत ने 369 और ऑस्ट्रेलिया ने 474 रन बनाए थे।

संन्यास मुबारक हो...

रोहित-विराट को किसने दी विदाई?

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली का खराब फॉर्म जारी है. मेलबर्न टेस्ट में भी इन खिलाड़ियों के बल्ले से रन देखने को नहीं मिले. ये दोनों ही खिलाड़ी अपने टेस्ट करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं. ऐसे में उनके लिए ये दौरा काफी अहम है. लेकिन रोहित और विराट इस बड़े मौके का फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं.

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच कई बार टीम इंडिया में बदलाव की मांग उठाई जा चुकी है और माना जा रहा है कि इन दिग्गजों में से कोई टेस्ट फॉर्मेट को छोड़ भी सकता है. मेलबर्न टेस्ट में जीत टीम इंडिया के लिए काफी जरूरी है, वरना वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने का सपना टूट सकता है. लेकिन इस बड़े मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली पूरी तरह फ्लॉप रहे. रोहित शर्मा ने मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में 3 रन बनाए थे. वहीं, दूसरी पारी में भी वह 9 रन का ही योगदान दे सके. दूसरी ओर विराट कोहली भी फ्लॉप रहे. पहली पारी में 36 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में सिर्फ 5 रन ही बना सके. इस खराब प्रदर्शन के बाद अब रोहित और विराट फैंस के निशाने पर आ गए हैं.

सोशल मीडिया पर भारतीय फैंस रोहित शर्मा और विराट कोहली को संन्यास की बधाई दे रहे हैं. यानी फैंस का मानना है कि इन दोनों खिलाड़ियों का टेस्ट करियर अब खत्म हो गया है और वह आगे टेस्ट खेलते हुए नजर नहीं आएंगे.

इन दोनों खिलाड़ियों के संन्यास को लेकर सोशल मीडिया पर कई पोस्ट वायरल हो रहे हैं और 'हैप्पी रिटायरमेंट.' का हैशटैग ट्रेंडिंग में हैं. एक यूजर ने विराट के फोटो को शेयर करते हुए लिखा, 'हैप्पी रिटायरमेंट विराट कोहली.' वहीं, एक यूजर ने रोहित के लिए लिखा, 'रोहित और विराट ने टेस्ट से लिया संन्यास! यादों के लिए धन्यवाद. हैप्पी रिटायरमेंट.'

जींस पहनकर खेलने की अनुमति मिलने के बाद विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप में लौटे कार्लसन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार जींस पहनना मना था। उन्होंने तुरंत कपड़े बदलकर आने का अनुरोध मानने से इनकार कर दिया तो उन्हें अयोग्य करार दिया गया। टूर्नामेंट में रैपिड चैंपियनशिप के नौवें दौर में उन्हें किसी के खिलाफ उतारा नहीं गया।

फिडे से खिलाड़ियों को जींस पहनकर खेलने की अनुमति मिलने के बाद दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप में लौटे जिन्हें ड्रेस कोड के उल्लंघन के कारण रैपिड वर्ग से बाहर कर दिया गया था। पांच बार के विश्व चैम्पियन कार्लसन पर शनिवार को फिडे के ड्रेस कोड का उल्लंघन करके जींस पहनकर आने के बाद 200 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार जींस पहनना मना था। उन्होंने तुरंत कपड़े बदलकर आने का अनुरोध मानने से इनकार कर दिया तो उन्हें अयोग्य करार दिया गया। टूर्नामेंट में रैपिड चैंपियनशिप के नौवें दौर में उन्हें किसी के खिलाफ उतारा नहीं गया। नीति में बदलाव की घोषणा करते हुए अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के अध्यक्ष अर्कादी वोरवोविच ने कहा, मैंने पोशाक की उपयुक्तता के संबंध में निर्णय लेने में फिडे अधिकारियों को अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए इस नजरिये का प्रयोग करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, नियम सरल है कि आधिकारिक ड्रेस कोड का अभी भी पालन करना होगा लेकिन थोड़े से बदलाव (जैकेट के साथ जींस) की अनुमति दी गई है। बयान में कहा गया, फिडे को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि मैग्नस कार्लसन फिडे विश्व ब्लिट्ज चैंपियनशिप में भाग लेंगे। कार्लसन ने रविवार को टूर्नामेंट के दौरान फिडे उपाध्यक्ष और भारत के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद से मुलाकात की। बयान में कहा गया, फिडे कार्लसन और विश्व शतरंज समुदाय के साथ मिलकर फिडे प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ियों और प्रशंसकों को सर्वश्रेष्ठ अनुभव देने की दिशा में काम करता रहेगा। कार्लसन ने अपनी भागीदारी की पुष्टि करते हुए कहा, मैं न्यूयॉर्क में कम से कम एक दिन और खेल रहा हूं।

अच्छा खेला तो अगले दिन भी। हमने कल इस बारे में बात की और फिडे अध्यक्ष से हमारे अच्छे संबंध हैं। आनंद ने कहा था कि फिडे के पास कार्लसन को अयोग्य करार देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था क्योंकि उन्होंने नियम को मानने से इनकार कर दिया था।

डब्ल्यूटीसी लेटेस्ट टेबलः

मेलबर्न में हार के बाद मुश्किल हुआ फाइनल का गणित, अब श्रीलंका के सहारे टीम इंडिया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 26-30 दिसंबर के दौरान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में बॉक्सिंग-डे टेस्ट खेला गया. इस मुकाबले में भारतीय टीम को 184 रनों से करारी हार झेलनी पड़ी. मुकाबले में भारतीय टीम को जीत के लिए 340 रनों का टारगेट मिला था, मगर वह इस गेम को ड्रॉ भी नहीं करा सकी. अब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का आखिरी मुकाबला 3 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा. मेलबर्न टेस्ट में हार के बाद भारतीय टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2023-25 के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को गहरा आघात पहुंचा है. अब भारतीय टीम सिडनी टेस्ट जीतकर भी अपने दम पर फाइनल में नहीं पहुंच सकती है. सिडनी टेस्ट जीतने पर भारत को श्रीलंका की मदद चाहिए होगी. श्रीलंकाई टीम अगले साल जनवरी-फरवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने घर पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है.

रूस के 18 वर्षीय मुरजिन वोलोदर बने विश्व रैपिड चैम्पियन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। रूस के 18 वर्षीय युवा खिलाड़ी अंतिम समय तक हार ना मानने के अपने बेहतरीन प्रयास के चलते शतरंज इतिहास के दूसरे सबसे युवा विश्व रैपिड चैम्पियन बन गए है। 13 राउंड के इस मुक़ाबले मे 12वें राउंड में मुरजिन भारत के प्रज्ञानन्दा के खिलाफ हार के बेहद करीब थे पर अंतिम समय में प्रज्ञानन्दा न्ने एक भारी भूल कर दी और मुरजिन हारी हुई बाजी जीत गए और इसके साथ ही वह 9.5 अंको के साथ के साथ खिताब के करीब पहुँच गए और अंतिम राउंड में उन्होने अर्मेनिया के केरेन गिरगोरयन के साथ ड्रॉ खेलते हुए अपना पहला विश्व खिताब और स्वर्ण पदक हासिल कर लिया।

विश्व रैपिड के पुरुष वर्ग के तीनों मेडल रूस नें अपने नाम किए, अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक नें यूएसए के दोमिंगेज पेरेज से ड्रॉ खेलते हुए 9.5 अंको के साथ रजत पदक तो यान नेपोमनिशि नें यूएसए के सविएन सेमुएल को पराजित करते हुए 9.5 अंको के साथ

कांस्य पदक हासिल किया।

भारत के अर्जुन एरिगैसी को अंतिम राउंड में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को मात देनी थी पर उनकी बाजी ड्रॉ रही और अर्जुन 9 अंक ही बना सके और दोमिंगेज पेरेज के बाद पांचवें स्थान पर रहे अर्जुन को 36000 डॉलर पुरूस्कार के तौर पर मिले।

'मैंने प्यार किया' के 35 साल

सलमान खान के फैंस को तोहफा, सिनेमाघरों में होगी री-रिलीज

सलमान खान की फिल्म 'मैंने प्यार किया' फिर से सिनेमाघरों में इसकी 35वीं वर्षगांठ पर रिलीज हुई है। निर्माताओं ने इसके 35 वर्ष पूरे होने पर इसके रिलीज की घोषणा की है। सलमान खान के प्रशंसकों के लिए उनके जन्मदिन के बाद एक और खुशखबरी सामने आ रही है। उनकी फिल्म 'मैंने प्यार किया' सिनेमाघरों में री-रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फिल्म अपनी 35वीं वर्षगांठ के अवसर पर फिर से रिलीज की जा रही है।

सलमान की पहली लीड रोल फिल्म

'मैंने प्यार किया' 29 दिसंबर, 1989 को रिलीज हुई यह फिल्म सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी। यह सलमान की बतौर मुख्य अभिनेता पहली फिल्म थी और भाग्यश्री ने इस फिल्म से अभिनय में पहली फिल्म थी। मैंने प्यार किया÷ में क्लास, दोस्ती, प्यार और पारिवारिक मूल्यों के विषयों को दिखाया गया था।

डायलॉग और गीत आज भी हैं यादगार

फिल्म के संगीत और डायलॉग आज भी यादगार हैं। दोस्ती का एक उसूल है मैडम, नो सॉरी, नो थैंक यू जैसे संवादों के कारण इसके प्रशंसकों की संख्या बहुत अधिक है।

रविवार को जलसा के बाहर फैंस से मिले अमिताभ बच्चन, फैंस को दिए तोहफे

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने रविवार को अपने घर के बाहर फैंस से मुलाकात की। अमिताभ हर रविवार को जलसा के बाहर अपने फैंस से मिलते हैं। इस दौरान अमिताभ अपने फैंस को तोहफे बांटते भी नजर आए।

जलसा के बाहर फैंस से की मुलाकात

अमिताभ बच्चन ने अपने घर के बाहर आकर फैंस को तोहफे बांटे। इस दौरान फैंस की भीड़ भी वहां मौजूद रही। अमिताभ ने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने हाथ हिलाकर सभी को आने के लिए धन्यवाद भी दिया। अमिताभ बच्चन इस दौरान नीली जैकेट में दिखाई दिए। उन्होंने सिर पर भी रुमाल बांधा हुआ था। बिगबी का स्टाइल फैंस को काफी पसंद आया।

यशस्वी जायसवाल को टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए नहीं किया गया नॉमिनेट

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने मेन्स टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 के लिए नॉमिनेट किए गए 4 खिलाड़ियों को नाम का ऐलान कर दिया। आईसीसी ने इस बार इस टाइटल के लिए चार खिलाड़ियों का चयन किया जिसमें जसप्रीत बुमराह, जो रूट, हैरी ब्रुक और कामिंडु मेंडिस शामिल हैं,

लेकिन इस लिस्ट में यशस्वी जायसवाल का नाम नहीं है जिनका प्रदर्शन इस साल यानी 2024 में टेस्ट प्रारूप में कमाल का रहा है। आईसीसी ने

बुमराह को इसलिए चुना क्योंकि उन्होंने साल 2024 में टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लिए तो वहीं जो रूट ने सबसे ज्यादा रन बनाए, लेकिन अगर हम हैरी ब्रुक और कामिंडु मेंडिस के आंकड़े को देखें तो वो यशस्वी जायसवाल से पीछे ही नजर आते हैं।

यशस्वी जायसवाल इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर रहे साथ ही दो दोहरा शतक भी उन्होंने लगाया।

संक्षिप्त समाचार

17 साल के लड़के ने उड़ाए हीरे के 2 हार और बालियों के 4 सेट, टेक्निक जानकर रह जाएंगे हैरान

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक 17 साल के लड़के ने हीरे के दो हार और चार बालियों के सेट पर हाथ साफ कर दिया। करोलबाग में हुए इस घटना में लड़के ने चोरी करने के लिए हैरान करने वाला तरकीब अपनाया। 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद पुलिस उस शातिर लड़के तक पहुंच गई। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि करोल बाग इलाके से 16.44 लाख रुपये मूल्य के हीरे के गहने चोरी करने के आरोप में एक 17 साल के लड़के को गिरफ्तार किया गया है। करोल बाग में दिनदहाड़े हुई चोरी में हीरे के दो हार सेट और हीरे की चार बाली सेट चुराए गए थे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि चोरी 11 दिसंबर को हुई थी। एक कर्मचारी हीरे के गहने भरे बैग को एक दुकान से दूसरी दुकान तक ले जा रहा था। शिकायतकर्ता के अनुसार जब वह बैग लेकर जा रहा था तो रास्ते में स्कूटर पर सवार एक लड़के सहित अन्य लोगों के एक समूह ने जानबूझकर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के कारण उसका ध्यान भटक गया और भ्रम की स्थिति के बीच 16.44 लाख रुपये के दो हीरे के हार सेट और हीरे के ही कान के बालियों के चार सेट चोरी हो गए। अधिकारी ने कहा कि कर्मचारी की शिकायत के बाद करोल बाग थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। उन्होंने बताया कि टीम ने करोल बाग से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक के सड़क पर लगे 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण किया। अधिकारी ने कहा कि आरोपी 17 साल के लड़के को 20 दिसंबर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान लड़के ने चोरी करने की बात कबूल कर ली। उसके कब्जे से चोरी के गए बरामद कर लिए गए।

दिल्ली से अगवा ट्यूशन टीचर को झांसी में बंधक बना की हैवानियत, पुलिस ने गर्भवती हालत में किया बरामद

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के बुराड़ी इलाके में ट्यूशन पढ़ाने वाली शिक्षिका को अगवा कर बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता को गर्भवती हालत में झांसी जिले से बरामद कर आरोपी कालू प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता घरों में जाकर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब चार-पांच माह पहले वह अपने घर के पास मंदिर गई थी। इस दौरान वहां एक महिला से उसकी मुलाकात हुई। महिला ने अपने बच्चों को घर आकर ट्यूशन पढ़ाने को कहा था। पीड़िता ने अच्छा पैसा मिलने की वजह से पढ़ाना शुरू कर दिया। एफआईआर के अनुसार, पीड़िता एक दिन उस महिला के घर ट्यूशन पढ़ाने गई थी, लेकिन घर पर सिर्फ महिला का भाई कालू प्रसाद मौजूद था। इस दौरान कालू ने जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसने घटना के बारे में किसी को बताने पर पीड़िता के छोटे भाई की हत्या करने की धमकी दी। इस घटना के बाद उसने ट्यूशन पढ़ाना छोड़ दिया। 21 दिसंबर को मंदिर में आरोपी की बहन से पीड़िता की फिर मुलाकात हुई।

संक्रांति के बाद भाजपा को मिलेगा नया अध्यक्ष, 15 जनवरी तक रखा है टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। जेपी नड्डा बीते 4 सालों से अधिक समय से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हुए हैं। उनका कार्यकाल बीते साल ही समाप्त हो गया था, लेकिन लोकसभा चुनाव को देखते हुए उन्हें विस्तार मिल गया था। अब इलेक्शन के नतीजे आए भी 6 महीने से ज्यादा का वक्त बीत चुका है, लेकिन अब तक भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ही हैं। इस बीच पार्टी में संगठन बदलने की कवायद तेज हो गई है और सूत्रों का कहना है कि संक्रांति के बाद भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इसे लेकर बैठकें शुरू हो चुकी हैं और जल्दी ही किसी नेता के नाम पर मुहर लग सकती है। सूत्रों का कहना है कि भूपेंद्र यादव, अनुराग सिंह ठाकुर, शिवराज सिंह चौहान समेत कई ऐसे नेता हैं, जिन्हें अध्यक्ष बनाने का फैसला हो सकता है। फिलहाल पार्टी 15 जनवरी तक जिला और राज्य के अध्यक्ष बना लेना चाहती है। संक्रांति तक कम से कम आधे राज्यों को नए अध्यक्ष मिल जाएंगे और फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा।

दिल्ली में वोटर लिस्ट पर रार, संजय सिंह को उनकी पत्नी का एफिडेविट दिखा रही भाजपा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट पर हंगामा मचा हुआ है। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दावा किया है कि उनकी पत्नी का नाम वोटर लिस्ट से कटवाने के लिए आवेदन दिया गया है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर यह आरोप जड़ा। वहीं, भाजपा ने अब संजय सिंह की पत्नी अनीता सिंह का एक एफिडेविट दिखाकर पलटवार किया है। भाजपा का कहना है कि इस शपथपत्र में अनीता सिंह ने खुद को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में वोटर बताया है।

भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर एफिडेविट को शेयर किया है। उन्होंने लिखा, जो आदमी अपनी पत्नी को राजनीति के दलदल में घसीटने से भी न चूके, उससे अधिक गिरा हुआ इंसान और कौन हो सकता है? यह अनीता सिंह, संजय सिंह की धर्मपत्नी का एफिडेविट है, जिसमें वह कह रही हैं कि वह सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश की वोटर हैं। अब जो दिल्ली की वोटर ही नहीं हैं, उनका नाम भला दिल्ली की वोटर लिस्ट से कैसे कटवाया जा सकता है? और यदि उन्होंने एफिडेविट में स्वयं को सुल्तानपुर का वोटर बताया है, लेकिन दिल्ली में भी वोट करती हैं, तो यह कानूनन अपराध है। अब संजय सिंह को तय करना चाहिए कि अपनी पत्नी को और कितना अपमानित करवाना है।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी इसी एफिडेविट को शेयर किया है। तिवारी ने कहा कि उन्होंने एक डिबेट शो में संजय सिंह को एक उदाहरण बताने को कहा था जहां किसी पूर्वांचली का वोट बीजेपी कार्यकर्ता ने कटवाया हो। मनोज तिवारी ने कहा, आपने भाभी को ही झूठी राजनीति का शिकार बना दिए। अब उनकी बेइज्जती हो रही है तो मुझे बुरा लग रहा है। भाजपा सांसद ने लिखा, दोस्तों यह अनीता सिंह जी, संजय सिंह की धर्मपत्नी का ही एफिडेविट है, जिसमें वह कह रही हैं कि वह सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश की वोटर हैं। अब जो दिल्ली की वोटर ही नहीं हैं, उनका नाम भला दिल्ली की वोटर लिस्ट से कैसे कटवाया जा सकता है? और यदि उन्होंने एफिडेविट में स्वयं को सुल्तानपुर का वोटर बताया है, लेकिन दिल्ली में भी वोट करती हैं, तो यह कानूनन अपराध है। अब दिल्ली को तय करना चाहिए कि आम आदमी पार्टी झूठ के दलदल में कितनी गिरेगी इलीगल बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्यायों को बचाने के लिए।

महिला सम्मान योजना मामले में एलजी के बाद अब ऐक्शन में दिल्ली पुलिस

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने महिला सम्मान योजना के तहत हर महीने 2100 रुपये देने के लिए पंजीकरण कराने के नाम पर 18 साल से ऊपर की महिलाओं की निजी जानकारी जमा करने वालों के खिलाफ जांच के आदेश दिए जाने के बाद दिल्ली पुलिस ने भी कार्रवाई शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस ने महिला सम्मान योजना के नाम पर कथित तौर पर महिलाओं की निजी जानकारी जमा करने वाले शिविरों की पहचान करने के लिए टीमें बनाई हैं। इस घटनाक्रम से अवगत एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया- दिल्ली में 15 पुलिस जिले हैं। हमने वरिष्ठ अधिकारियों को टीमें बनाकर पूरे मामले की उचित जांच करने का आदेश दिया है। टीमें आपस में कोऑर्डिनेशन करेंगी और डीसीपी की कड़ी निगरानी में काम करेंगी। बता दें कि एलजी वीके सक्सेना ने कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित की शिकायत के आधार पर जांच का आदेश दिया है। संदीप दीक्षित ने हाल ही में वीके सक्सेना से मुलाकात की थी। मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को संबोधित एक पत्र में एलजी के प्रमुख सचिव ने कहा था कि एलजी ने मुख्य सचिव को गैर-सरकारी लोगों द्वारा व्यक्तिगत विवरण और फॉर्म जमा करने के मामले में संभागीय आयुक्त के जरिए जांच कराने की इच्छा जताई है। इसमें यह भी कहा गया है कि पुलिस आयुक्त भी फील्ड अधिकारियों को निर्देश दे सकते हैं कि वे उन लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करें।

स्वाति मालीवाल बोलीं, लंदन पेरिस के दर्शन के लिए तैयार रहें, आपको यकीन नहीं होगा ये राजधानी दिल्ली है

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा सांसद और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने आम आदमी पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। स्वाति मालीवाल ने सोमवार को कहा कि दिल्ली की एक और विधानसभा क्षेत्र का औचक दौरा किया, आज तक ऐसी बुरी हालत किसी इलाके की नहीं देखी।

स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज सुबह 10:30 बजे लंदन पेरिस के दर्शन के लिए तैयार रहें। दिल्ली की एक और विधानसभा क्षेत्र का औचक दौरा किया। आज तक ऐसी बुरी हालत किसी इलाके की नहीं देखी। पूरा इलाका भ्रष्टाचार और निकम्मेपन की भेंट चढ़ा हुआ है। आपको यकीन नहीं होगा ये राजधानी दिल्ली है।

इससे पहले स्वाति मालीवाल दिल्ली के आईएचबीएएस अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा था, दिल्ली के आईएचबीएएस अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। लोग घंटों घंटों दवाई लेने के लिए अस्पताल के बाहर सड़क पर ठंड में सोते हैं। सुबह काउंटर खुलता है, भीड़ अंदर किसी तरह पहुंचती है तो दवा नहीं मिलती। इस अस्पताल के बाहर मुझे 70-80 साल के बुजुर्ग और महिलाएं ठंड में ठिठुरते हुए मिले। ये है बुजुर्गों और महिलाओं का सम्मान? ना टॉयलेट साफ़ हैं, ना पीने को पानी मिलता है। सोशल मीडिया रील और प्रेस कॉन्फ्रेंस में सब कुछ अच्छा दिखता है।

हकीकत देखने की ना नीयत है ना हिम्मत। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने इससे पहले भी दिल्ली में हुई बारिश के बाद जलभराव को लेकर आम आदमी पार्टी पर तंज कसा था। स्वाति ने द्वारका और विकासपुरी इलाके में जलभराव के वीडियो शेयर कर लिखा था, एक दिन की बारिश से इन इलाकों के हालात बद से बदतर हो गए है।

दिल्ली में आप को चुभ रहा कांग्रेस का तीखापन, 11 साल पुरानी बात का डर?

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान भले ही ना हुआ हो, लेकिन प्रत्याशियों के ऐलान से प्रचार अभियान तक जोर पकड़ चुका है। मुख्य मुकाबला भले ही सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच दिख रहा हो, लेकिन 10 सालों से विधानसभा से आउट कांग्रेस भी अहम फैक्टर है। दिल्ली का चुनावी ऊंट किस करवट बैठेगा यह पूरी तरह कांग्रेस की मजबूती और कमजोरी पर निर्भर करता है। पिछले तीन चुनाव के नतीजों के विश्लेषण से तो यही पता चलता है।

भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से जन्मी आप जब 2013 में पहली बार चुनावी मैदान में उतरी तो उसने सबको चौंकाते हुए 28 सीटों पर कब्जा जमा लिया। 31 सीटों के साथ भाजपा सबसे आगे थी तो 15 साल के शासन के बाद कांग्रेस 8 सीटों पर सिमट गई थी। तब भाजपा को 33.3 फीसदी वोट शेयर मिला था तो आप को 29.7 फीसदी वोटर्स ने चुना था। कांग्रेस 24.7 फीसदी वोट हासिल करने में सफल रही थी। कांग्रेस की कमजोरी का फायदा किस तरह आप ने उठाया यह 2015 के चुनावी नतीजों में साफ दिखता है। दो साल पहले 24 फीसदी से अधिक वोट शेयर हासिल करने वाली आप तब 9 पर्सेंट वोटर्स को ही अपने साथ रख पाई थी। नतीजा यह हुआ कि आप को 54 फीसदी वोट मिले और उसने 70 में से 68 सीटों पर जीत हासिल की। मुस्लिम, दलित और कांग्रेस के अन्य परंपरागत वोटर्स आप की ओर शिफ्ट हो गए थे। तब से ये वोटर्स आप के साथ बने हुए हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और ज्यादा कमजोर हो गई। यही वजह है कि पहले से अधिक वोट शेयर लाकर भी भाजपा महज 8 सीटों पर जीत हासिल कर सकी और आप ने 62 सीटों पर जीत दर्ज की। पिछले चुनाव में आप को 53.8 फीसदी वोट मिले थे तो भाजपा ने करीब 39 फीसदी वोट पर कब्जा किया था। कांग्रेस तब 9 से घटकर 4.3 फीसदी वोटों पर सिमट गई थी। कांग्रेस के और अधिक वोटर्स के आप में शिफ्ट हो जाने की वजह से भाजपा 8 सीटों पर ही सिमट गई थी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव का नतीजा काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि कांग्रेस अपने वोटर्स को वापस अपनी ओर खींच पाती है या नहीं। पार्टी ने इस बार काफी होमवर्क करने के बाद आधी से अधिक सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की है। आप मुखिया अरविंद केजरीवाल के खिलाफ जहां पूर्व सीएम शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को उतारा गया है तो जंगपुरा से फरहाद सूरी को टिकट देकर मनीष सिसोदिया की मुश्किलें बढ़ाने का पूरा इंतजाम किया गया है।मुस्लिम और दलित वोटर्स को ध्यान में रखकर कई सीटों पर मजबूत प्रत्याशियों को उतारा गया है।

पाकिस्तान को सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र बनाने का मिला लाइसेंस

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान की परमाणु ऊर्जा नियामक एजेंसी ने देश में बिजली उत्पादन के लिए सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र बनाए जाने का रास्ता साफ करते हुए लाइसेंस जारी कर दिया है। पाकिस्तान परमाणु नियामक प्राधिकरण (पीएनआरए) द्वारा बृहस्पतिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पीएनआरए ने चश्मा परमाणु ऊर्जा संयंत्र इकाई पांच (सी-5) के निर्माण के लिए लाइसेंस जारी किया है, जो 1,200 मेगावाट क्षमता के साथ परमाणु ऊर्जा के जरिए बिजली उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा संयंत्र होगा। 'डॉन समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग ने इस वर्ष अप्रैल में लाइसेंस के लिए आवेदन किया था और उसने इसके साथ ही प्रारंभिक सुरक्षा आकलन रिपोर्ट एवं परमाणु सुरक्षा, विकिरण सुरक्षा, आपातकालीन तैयारी, अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े परिचालन संबंधी पहलुओं एवं डिजाइन के बारे में अन्य दस्तावेज भी भेजे थे।

पीएनआरए की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रासंगिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत नियामक अनिवार्यताओं की गहन समीक्षा की गई जिसके बाद लाइसेंस जारी किया गया। सी-5 चीनी हुआलोंग डिजाइन का तीसरी पीढ़ी का उन्नत दबावयुक्त जल रिएक्टर है। इसे राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की कार्यकारी समिति ने पहले ही मंजूरी दे दी है और इसका निर्माण 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत से किया जाएगा।

बैंकॉक में लोकप्रिय क्षेत्र के होटल में आग लगने से 3 विदेशी पर्यटकों की मौत

बैंकॉक एजेंसी। बैंकॉक के लोकप्रिय पर्यटन स्थल खाओ सैन रोड पर स्थित एक होटल में आग लग गई, जिसमें तीन विदेशियों की मौत हो गई और कई अन्य झुलस गए। थाईलैंड पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस कर्नल सानोंग सेंगमनी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि रविवार रात आग में मरने वाले तीनों लोग विदेशी पर्यटक थे। एक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई जबकि अन्य दो की मौत अस्पताल ले जाने के बाद हुई। पुलिस ने बताया कि आग छह मंजिला एम्बर होटल की पांचवीं मंजिल पर लगी। खाओ सैन रोड बैंकॉक में बैकपैकर स्ट्रीट के रूप में मशहूर है जहां 24 घंटे चहल-पहल रहती है। आग पर काबू पा लिया गया तथा आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। जिस समय आग लगी, उस समय होटल में 75 लोग ठहरे हुए थे। आग में सात लोग झुलस गए, जिनमें दो थाईलैंड के और पांच विदेशी नागरिक शामिल हैं। सिंगापुर में रहने वाले और छुट्टियों में थाईलैंड गए 37 वर्षीय भारतीय नागरिक श्रीकांत कोलामाला ने बचाव अभियान देखा और उन्होंने बताया कि अग्निशमन कर्मियों ने लोगों को होटल से बाहर निकालने के लिए वहां लगे शीशे तोड़ दिए। खाओ सैन रोड बिजनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष सांगा रुआंगवतनकुल उस समय बाहर खड़े हुए थे जब होटल में आग लगी। उन्होंने कहा कि मंगलवार रात को नए साल की पूर्व संध्या पर होने वाले कार्यक्रम में 20,000 लोगों के आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, अब जो कुछ हुआ है, उससे हर कोई डरा हुआ है और डर है कि इसका असर कल के कार्यक्रम पर पड़ेगा।

रूस पर भड़का अजरबैजान ! प्लेन क्रैश को लेकर पुतिन की माफी पर उठाए सवाल, कहा- पहले बकवास की अब...

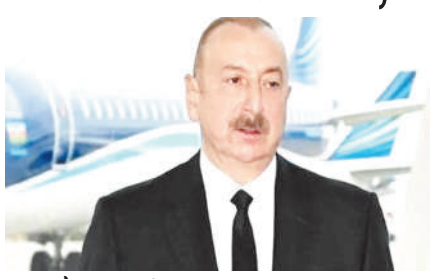

अजरबैजान एजेंसी। अजरबैजान एयरलाइंस का विमान कजाखस्तान के अकताउ में क्रैश हो गया था, जिसमें 38 लोगों की मौत हो गई और 29 अन्य घायल हुए थे। हादसे के बाद जब रूस पर विमान को मार गिराने का आरोप लगाया गया, तो शुरू में मॉस्को ने इसे खारिज कर दिया था। लेकिन, 28 दिसंबर को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अजरबैजान से माफी मांगी और अपनी गलती स्वीकार की। इसके बावजूद, अजरबैजान के राष्ट्रपति इलहाम अलियेव ने रूस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और पुतिन की माफी को नकारते हुए तीन दिनों तक झूठी कहानियां गढ़ने का आरोप लगाया। अलियेव ने 29 दिसंबर को अपने बयान में कहा कि विमान का नुकसान रूस के क्षेत्र में फायरिंग की वजह से हुआ था, और इसे इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर के कारण नियंत्रण खोने का सामना करना पड़ा। उनका दावा था कि विमान ग्रॉजनी के पास से बाहर से डैमेज हुआ था। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि रूस ने शुरुआती तीन दिनों तक केवल भ्रामक और बेतुके बयान दिए और विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का कारण गैस सिलेंडर ब्लास्ट बताया, जो पूरी तरह से झूठ था। अजरबैजान के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस को अपनी गलती तुरंत स्वीकार करनी चाहिए थी, लेकिन यह नहीं हुआ। उनका कहना था कि विमान को जानबूझकर गिराया गया था और रूस ने माफी में देरी की। उन्होंने इस दुर्घटना को नौबत का संकट करार दिया।

दक्षिण कोरिया प्लेन क्रैश को लेकर बड़ा खुलासा, हादसे से कुछ मिनट पहले पायलट ने भेजा था मेडे अलर्ट लेकिन...

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में जेजू एयर एयरलाइंस का बोइंग 737-800 विमान हादसे का शिकार हो गया। थाईलैंड से दक्षिण कोरिया आ रहा यह विमान मुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय क्रैश हो गया। हादसे में 179 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग चमत्कारिक रूप से बच गए। हादसे की वजह पक्षियों से टकराव को माना जा रहा है। विमान रनवे पर फिसलते हुए दीवार से टकरा गया और फिर उसमें आग लग गई। विमान में 181 लोग सवार थे। यह हादसा दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े विमान हादसों में से एक बताया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुआन एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने पायलट को पक्षियों से टकराने की चेतावनी दी थी। ऐसा माना जा रहा है कि पक्षियों के टकराने से विमान के लैंडिंग गियर में खराबी आई और लैंडिंग के वक्त यह गियर खुल नहीं पाया। हादसे से कुछ मिनट पहले पायलट ने मेडे अलर्ट भेजा था। मेडे शब्द का इस्तेमाल गंभीर आपातकालीन स्थिति में किया जाता है, जब यात्रियों की जान को बड़ा खतरा हो। दुर्घटनाग्रस्त विमान के दोनों ब्लैक बॉक्स फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर बरामद कर लिए गए हैं। इन्हें जांच के लिए भेजा गया है। अमेरिका की एक जांच टीम भी हादसे की जांच में स्थानीय अधिकारियों की मदद कर रही है। विमान में सवार दो लोग, एक फ्लाइट अटेंडेंट और एक 25 वर्षीय युवती, चमत्कारिक रूप से बच गए। फ्लाइट अटेंडेंट को गंभीर फ्रैक्चर हुआ है, लेकिन उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। युवती के सिर और टखने में चोटें आई हैं। दक्षिण कोरिया सरकार ने इस हादसे के बाद सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। मृतकों की पहचान का काम जारी है, और अब तक 65 शवों की पहचान हो चुकी है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।